मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 170
शुक्रवार, 02 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'सुदर्शन चक्र' जल्द बनेगा हकीकतः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 01 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ स्थापना दिवस के अवसर पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुख्यालय के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने दौरे के दौरान कहा कि सिंदूर ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने निर्णायक भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकों/उपकरणों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ के उपकरणों ने निर्बाध रूप से काम किया, जिससे सैनिकों का मनोबल बढ़ा।

रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस 2025 के अपने संबोधन में घोषित सुदर्शन चक्र की स्थापना में डीआरडीओ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत, डीआरडीओ अगले दशक में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने के लिए जिम्मेदार है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने आधुनिक युद्ध में वायु रक्षा के महत्व को देखा। मुझे विश्वास है कि डीआरडीओ इस लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा।

राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकी निमार्ता होने के साथ-साथ विश्वास निमार्ता भी है, जिससे लोग आशा, निश्चितता और विश्वास के साथ इसकी ओर देखते हैं। निजी क्षेत्र के साथ डीआरडीओ के सहयोग को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ते जुड़ाव से एक समन्वित रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा, डीआरडीओ ने अपनी प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली में लगातार सुधार किया है। खरीद से लेकर परियोजना प्रबंधन तक, उद्योग के साथ जुड़ाव से लेकर स्टार्टअप और एमएसएमई के साथ सहयोग तक, काम को आसान, तेज और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए स्पष्ट प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़ने और बदलते समय के अनुरूप प्रासंगिक उत्पाद विकसित करते रहने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन से नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने वाले अधिक क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया। डीआरडीओ द्वारा गहन तकनीक और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रगति से न केवल राष्ट्र की क्षमताओं में वृद्धि होगी, बल्कि रक्षा तंत्र भी मजबूत होगा।

राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान युग केवल विज्ञान का नहीं, बल्कि निरंतर विकास और सीखने का युग है। उन्होंने कहा कि इस बदलते विश्व में प्रौद्योगिकी स्कैनिंग, क्षमता मूल्यांकन और भविष्य की तैयारी अब केवल शब्द मात्र नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि विश्व प्रतिदिन बदल रहा है। प्रौद्योगिकी, नवाचार और नए युद्ध क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे कल का ज्ञान अप्रचलित हो रहा है। हमें कभी यह नहीं मानना चाहिए कि सीखने की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। हमें सीखते रहना चाहिए और खुद को चुनौती देते रहना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।

बुलेट ट्रेन का इंतजार खत्म, 2027 में मुंबई और अहमदाबाद के बीच शुरू होगी पहली हाई-स्पीड ट्रेन

नई दिल्ली, 01 जनवरी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत अपने परिवहन अवसंरचना में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहा है, क्योंकि देश की पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त, 2027 से परिचालन शुरू करने वाली है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबी यह अभूतपूर्व परियोजना अंतर-शहरी यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव लाने का वादा करती है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और भारत में विश्व स्तरीय उच्च गति रेल मानकों की शुरूआत होगी।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर का पहला परिचालन सूरत से गुजरात के वापी तक 100 किलोमीटर के क्षेत्र में होगा। शेष मार्ग पर सेवाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि पहले, इसी समयावधि के भीतर सूरत और

बिलिमोरा के बीच 50 किलोमीटर के खंड पर पहला परिचालन करने की योजना थी। वैष्णव ने जुलाई में लोकसभा को दिए एक अपडेट में कहा था कि यह ट्रेन दिसंबर 2027 तक चालू हो जाएगी। यह ट्रेन भारत की अब तक की सबसे तेज ट्रेन होगी, जो मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर की दूरी 308 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दो घंटे सात मिनट में तय करेगी। पूरा होने पर, यह पूरी दूरी दो घंटे 17 मिनट में तय करेगी। यह ट्रेन महाराष्ट्र के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से शुरू होकर गुजरात के साबरमती तक जाएगी, जिसमें ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद और अहमदाबाद सहित 12 स्टॉप होंगे।

इस परियोजना की आधारशिला 2017 में रखी गई थी और इसे दिसंबर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। भारत आवागमन संबंधी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए जापान के साथ भी सहयोग कर रहा है।

बीएमसी चुनाव की तैयारी, ठाकरे ब्रदर्स 4 को तो बीजेपी 5 को घोषणापत्र करेगी जारी

मुंबई, 01 जनवरी। बीएमसी चुनाव में गठबंधन कर उतरे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 4 जनवरी को संयुक्त वचननामा घोषित करेंगे। 5 को पूर्वी उपनगर से प्रचार की शुरूआत करेंगे। उद्धव सेना के एक नेता ने बताया कि 5 जनवरी की सभा की तैयारी चल रही है। पार्टी ने 11 और 12 जनवरी को शिवाजी पार्क में रैली के लिए आवेदन दिया है। वहीं मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने बताया कि 5 जनवरी के बाद घोषणा पत्र जारी करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस और डीसीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। माना जा रहा है कि दोनों पार्टियों से नाराज आठवले ज्यादातर सीटों पर पीछे हट जाएंगे।

शिवसेना नेता संजय राउत ने 11 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

मुंबई दौरे का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता लागू है, ऐसे में चुनाव आयोग को पीएम को मुंबई आने से रोकना चाहिए। इधर, बुधवार को नामांकन स्क्रूटनी का काम हुआ। बीएमसी के लिए दाखिल पचर्चों में 167 खारिज हो गए। सांसद मिलिंद देवड़ा ने डिजिटल सिग्नेचर वाले एबी फॉर्म को खारिज करने की मांग आयोग से की है।

4 उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनकी जीत बिना लड़े तय हो गई है। कल्याण-डोंबिवली में बीजेपी की रंजना मितेश पेणकर, रेखा राजन चौधरी और आसावरी केदार नवरे के सामने कोई प्रत्याशी नहीं है। वहीं, पनवेल में बीजेपी उम्मीदवार नितिन पाटील की निर्विरोध जीत तय मानी जा रही है।

नए साल की पहली सुबह बाबा के नाम, घाटों पर गूंजा शंखनाद

- आस्था, आरती और उल्लास में डूबी काशी, हर हर महादेव के जयघोष संग
- नववर्ष 2026 का स्वागत मंदिरों-घाटों से बाजारों तक उमड़ा जनसैलाब

सुरेश गांधी

वाराणसी. नववर्ष 2026 का स्वागत काशी ने अपने शाश्वत अंदाज में किया. जहां एक ओर उल्लास, संगीत और रोशनी थी, वहीं दूसरी ओर आस्था, साधना और संयम का अद्भुत संगम नजर आया। घड़ी की सुइयों ने जैसे ही रात के बारह बजाए, ह्यहैप्पी न्यू ईयर 2026ह्ल के उद्घोष के साथ पूरा शहर रोशनी और आतिशबाजी से जगमगा उठा। होटल, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट और सांस्कृतिक स्थलों पर देर रात तक जश्न चलता रहा, तो गंगा घाटों और मंदिरों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा।

नए वर्ष की पहली सुबह काशी में आध्यात्मिक चेतना के साथ आरंभ हुई। दशाश्वमेध घाट पर नववर्ष की विशेष गंगा आरती और सूर्य पूजा का आयोजन हुआ। ठंड और कोहरे के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। मंत्रोच्चार, शंखनाद और दीपों की कतारों के बीच गंगा की लहरों पर झिलमिलाती रोशनी ने नववर्ष 2026 को दिव्यता प्रदान की। उत्सव के बीच कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। घाटों, मंदिरों, बाजारों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे नववर्ष का जश्न शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। आस्था, आनंद और अनुशासन के इस त्रिवेणी संगम के साथ काशी ने नववर्ष 2026 का स्वागत किया, जहां हर उत्सव साधना में और हर उल्लास परंपरा में ढलता नजर आया।

नववर्ष 2026 पर काशी विश्वनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या ने एक बार फिर नए कीर्तिमान स्थापित किए। तड़के चार बजे मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं, जो देर रात तक जारी रहीं। धाम प्रशासन के अनुसार, एक ही दिन में लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में मत्था टेका। पूर्व में बनाए गए सभी रिकॉर्ड इस वर्ष पीछे छूट गए। भीड़ को देखते हुए पहले से की गई व्यवस्थाओं के चलते दर्शन व्यवस्था सुचारू बनी रही। गंगाद्वार समेत सभी प्रवेश द्वार पर भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन की ओर से लागू प्रोटोकॉल के तहत विशेष दर्शन और स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध है। मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से भीड़ बढ़ी है। 20 लाख से अधिक लोग दर्शन कर चुके हैं। बृहस्पतिवार की सुबह से श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला जारी है। लाखों भक्तों ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किए। भक्तों को कोई असुविधा न हो इसके लिए बैरिकेडिंग की गई है।

नववर्ष पर कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव मंदिर और उमरहां स्थित स्वर्वेद महामंदिर में भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब देखने को मिला। पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ अन्य प्रांतों से आए भक्त सपरिवार दर्शन को पहुंचे। स्वर्वेद महामंदिर की भव्यता, संगमरमर पर उकेरी गई नक्काशियां और कलात्मक शिल्प श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने। वाहनों की अधिकता के चलते प्रमुख मार्गों पर रुक-रुक कर यातायात प्रभावित रहा। नववर्ष की सुबह ह्यसुबहे-ए-बनारसह्ल के साथ हुई। देश-विदेश से आए पर्यटकों ने गंगा में नौकाविहार कर घाटों की आध्यात्मिक छटा को निहारा। पर्यटन के आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित हो चुके नमो घाट पर भी भारी भीड़ उमड़ी।

देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिएः हिमंत विश्व शर्मा

असम, 01 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर भारत के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि अगर आरोपियों को कड़ी सजा दी जाती है तो इससे पूरे देश को एक कड़ा संदेश मिलेगा और उम्मीद है कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी।

शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों को अपनी भारतीयता पर गर्व है और देश के बाकी हिस्सों के लोगों को इस

क्षेत्र और यहां के लोगों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों और भारत के बाकी हिस्सों के लोगों के बीच अधिक संवाद होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि युवा छात्र की मौत वास्तव में दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम इस घटना की निंदा करते हैं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और हम आशा करते हैं कि ऐसा दोबारा नहीं हो।

यह पूछने पर कि क्या राज्य सरकार के पास बाहर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या से संबंधित आंकड़े हैं, शर्मा ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है लेकिन आवश्यकता पड़ने पर इसे एकत्र और संरक्षित किया जा सकता है।

त्रिपुरा के रहने वाले 24 वर्षीय छात्र चकमा देहरादून में एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। नशे में धुत लोगों के एक समूह ने चकमा पर नस्लीय टिप्पणी कीं और हमला कर दिया। चकमा ने 16 दिन बाद दम तोड़ दिया, जिसके बाद पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ दिल्ली में भी विद्यार्थियों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए।

नांदयाल में पिता ने तीन बेटों की हत्या कर की आत्महत्या

नांदयाल। आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर तीन नाबालिग बेटों की हत्या कर दी और बाद में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस बच्चों की मौत के सटीक कारणों की जांच कर रही है और जांच के बाद घटना के संबंध में और अधिक जानकारी सामने आएगी। अल्लागड्डा के पुलिस उपाधीक्षक के. प्रमोद कुमार ने पीटीआई- को बताया, व्यक्ति ने बुधवार को कथित तौर पर अपने तीन नाबालिग बेटों की हत्या कर दी और बाद में उय्यालावाड़ा गांव स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

बढ़ते कामकाजी जीवन के दबाव में बिखरते परिवार

-ललित गर्ग

भाग-दौड़, प्रतिस्पर्धा और आकांक्षाओं से भरे आधुनिक जीवन में परिवार के लिए समय निकालना आज केवल एक भावनात्मक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का प्रश्न बनता जा रहा है। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 की अगवानी की इस संधि बेला में खड़े होकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो साफ दिखाई देता है कि विकास, तकनीक और कैरियर की दौड़ ने हमें सुविधा तो दी, लेकिन संबंधों की ऊष्मा धीरे-धीरे छीन ली। परिवार, जो सदियों से मनुष्य का सबसे सुरक्षित आश्रय रहा है, आज स्वयं असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि आधुनिकता गलत है, प्रश्न यह है कि क्या आधुनिक जीवन शैली में परिवार व्यवस्था को बचाने की हमारी इच्छाशक्ति और समझ उतनी ही मजबूत है या नहीं?

व्यस्ततम, घटनाबहुल एवं कामकाजी जिंदगी जीने के साथ परिवार के लिए वक्त निकालना आज के इंसान के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। परिवार से यह जुड़ाव व्यक्ति को न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी खुशनुमा रहने की ताकत देता है। इस सोच के बीच ताजा अध्ययन में आया यह तथ्य सचमुच चौंकाने वाला और चिंताजनक है कि काम के बोझ व परिवार को समय नहीं दे पाने से उपजी परिस्थितियों से निजात पाने के लिए साठ फीसदी से ज्यादा लोग अपनी मौजूदा नौकरी को बदलना चाहते हैं। ग्रेट प्लेस टू वर्क का यह अध्ययन भारत के कामकाजी लोगों के लिए और भी गंभीर है क्योंकि वर्क-लाइफ बैलेंस की ग्लोबल रैंकिंग में हम 42 वें स्थान पर हैं।

आज कामकाजी जीवन का दबाव इतना बढ़ चुका है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से घर में मौजूद होते हुए भी मानसिक रूप से दफ्तर में ही रहता है। डिजिटल कनेक्टिविटी ने समय और स्थान की सीमाएं मिटा दी हैं, लेकिन इसी के साथ उसने घर और कार्यस्थल के बीच की स्वाभाविक दीवार भी तोड़ दी है। मोबाइल फोन, लैपटॉप और ऑनलाइन मीटिंग्स ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने, एक-दूसरे की बात सुनने और महसूस करने के अवसरों को सीमित कर दिया है। विडंबना यह है कि हम

परिवार के लिए मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उसी मेहनत की कीमत परिवार से दूरी बनाकर चुका रहे हैं।

वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को शुरू में वरदान माना गया था, लेकिन धीरे-धीरे यह भी परिवारिक जीवन के लिए एक नई चुनौती बन गई। घर अब विश्राम और संवाद का स्थान न रहकर कार्यालय का विस्तार बन गया है। बच्चों के सामने माता-पिता लगातार स्क्रीन में उलझे रहते हैं, पति-पत्नी के बीच संवाद की जगह नोटिफिकेशन ले लेते हैं और बुजुर्गों की बातें अक्सर बाद में की श्रेणी में डाल दी जाती हैं। ऐसे में परिवार एक साथ रहते हुए भी भीतर से बिखरता चला जाता है। यह बिखराव केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और आपसी जिम्मेदारियों का भी है। कॉर्पोरेट कार्यशैली में बढ़ते लक्ष्य, बढ़ता प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और बॉस संस्कृति ने व्यक्ति को लगातार यह एहसास कराया है कि यदि वह रुका तो पीछे रह जाएगा। इस डर ने जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव, आत्मचिंतन और संबंधों के लिए समय निकालना कमजोरी समझा जाने लगा है। जबकि सच यह है कि मजबूत परिवार ही व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास और जीवन की कठिनाइयों से जूझने की ताकत देता है। जब यह आधार कमजोर होता है, तो व्यक्ति बाहर से सफल दिखते हुए भी भीतर से टूटने लगता है।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा किया है। एक ही छत के नीचे रहते हुए भी परिवार के सदस्य अलग-अलग आभासी दुनिया में जी रहे हैं। दिखावे की खुशी, तुलना की प्रवृत्ति और निरंतर उपलब्ध रहने का दबाव रिश्तों में असंतोष और तनाव पैदा कर रहा है। हम दूसरों की जिंदगी पर नजर रखने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने घर के भीतर चल रही भावनाओं को समझने का समय ही नहीं बचा। यह स्थिति यदि यूं ही चलती रही तो परिवार केवल एक संरचना बनकर रह जाएगा, जिसमें आत्मा का अभाव होगा। ऐसे समय में आदर्श और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की पुनर्स्थापना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। इसके लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि करियर और परिवार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह सोच बदलनी होगी कि सफलता का पैमाना केवल पद, पैसा और प्रतिष्ठा है। यदि इन सबके बीच परिवार में संवाद, स्नेह और अपनापन नहीं है, तो ऐसी सफलता अधूरी ही नहीं, खोखली भी है। नए वर्ष में हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने समय, ऊर्जा और प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

परिवार को बचाने के लिए किसी बड़े सिद्धांत की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों की जरूरत है। घर में रहते हुए कुछ समय तकनीक से दूरी बनाना, साथ बैठकर भोजन करना, बच्चों और बुजुर्गों की बातों को ध्यान से सुनना और एक-दूसरे की भावनाओं को महत्व देना, ये सब साधारण लगने वाले कदम ही परिवार को फिर से जोड़ सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि गुणवत्ता पूर्ण समय केवल घंटों की संख्या से नहीं, बल्कि उस समय में मौजूद संवेदनशीलता और सहभागिता से तय होता है। नई परिवार व्यवस्था का अर्थ यह नहीं कि हम पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों लौटा लें, बल्कि यह है कि हम आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं के बीच संबंधों के मूल्यों को सुरक्षित रखें। जहां दोनों पति-पत्नी कामकाजी हैं, वहां जिम्मेदारियों का संतुलित बंटवारा, आपसी सहयोग और सम्मान परिवार को मजबूत बना सकता है। बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा की दौड़ के लिए तैयार करने के बजाय उन्हें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता और रिश्तों की अहमियत सिखाना भी उतना ही जरूरी है। बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कार की धरोहर मानकर सम्मान देना परिवार की आत्मा को जीवित रखता है।

घर पर रहते हुए भी कार्यस्थल से डिजिटल कनेक्टिविटी ने अलग तरह के तनाव को जन्म दिया है। रही-सही कसर घर से कार्यस्थल की लंबी दूरी पूरी कर देती है जहां व्यक्ति को दिनभर का बड़ा हिस्सा सफर में बिताने की मजबूरी का सामना भी करना पड़ता है। खतरे की बात यह भी है कि दफ्तर में काम का दबाव कई बार व्यक्ति का आत्मविश्वास भी कमजोर कर देता है। यह बात इस बात से भी साफ है कि संस्थानों में काम के घंटे बढ़ाने का मुद्दा भी हमारे यहां बहस का विषय बनता रहा है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने का विकल्प कार्य के घंटे बढ़ाना ही हो सकता है। इसीलिए श्रम कानून में भी काम के घंटे बढ़ाने की छूट दी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि अधिक से अधिक कमाने की चाहत के साथ-साथ कार्यस्थल पर काम का बोझ भी बढ़ा है यह भी जरूरी है कि संस्थान और समाज दोनों स्तरों पर वर्क-लाइफ बैलेंस को गंभीरता से लिया जाए। केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति में मानवीय दृष्टिकोण को शामिल करना होगा। उत्पादकता का अर्थ केवल लंबे काम के घंटे नहीं, बल्कि संतुलित और संतुष्ट कर्मचारी भी है। जब व्यक्ति का पारिवारिक जीवन स्थिर होता है, तभी वह कार्यस्थल पर रचनात्मक और प्रभावी योगदान दे पाता है। नए वर्ष की दहलीज पर खड़े होकर यह आत्ममंथन जरूरी है कि यदि हम आज परिवार को प्राथमिकता नहीं देंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल सुविधाएं तो मिलेंगी, लेकिन संबंधों की गर्मी नहीं। परिवार केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि साथ महसूस करने की प्रक्रिया है। यदि यह प्रक्रिया टूट गई तो समाज की नींव कमजोर हो जाएगी। इसलिए 2026 की ओर कदम बढ़ाते हुए हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम तकनीक का उपयोग जीवन को सरल बनाने के लिए करेंगे, संबंधों को प्रतिस्थापित करने के लिए नहीं। करियर की ऊंचाइयों के साथ-साथ परिवार की जड़ों को भी सींचेंगे, ताकि आधुनिकता और मानवीयता के बीच संतुलन बना रहे। यही संतुलन एक नई, सशक्त और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की नींव रख सकता है, जो बदलते समय में भी रिश्तों की रोशनी को बुझने नहीं देगा।

नव वर्ष की विदाई, आगमनः जब उत्सव बनता है अर्थव्यवस्था

-सुरेश गांधी

घड़ी की सुइयां जैसे ही 31 दिसंबर की रात बारह बजाती हैं, भारत सिर्फ एक नया साल नहीं अपनाता, वह खपत, व्यापार, पर्यटन, आस्था और बाजार की नई शुरूआत करता है। नव वर्ष 2025 की विदाई और 2026 का स्वागत अब भावनाओं तक सीमित उत्सव नहीं रहा, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी अल्पकालिक व्यावसायिक गतिविधि के रूप में स्थापित हो चुका है। यह वह समय है जब फूल मंडियों से लेकर मंदिर प्रांगण, होटलों से लेकर होम-स्टे, रेलवे - एयरपोर्ट से लेकर घाटों और गलियों तक, हर जगह नकदी प्रवाह तेज हो जाता है। बनारस जैसे आध्यात्मिक नगर में नव वर्ष की सुबह गंगा के घाटों से शुरू होकर मंदिरों, बाजारों और होटलों तक पहुंचती है। फूल-माला, पूजा सामग्री, नाव, होटल, खानपान, हस्तशिल्प और गाइड सेवाओं में एक ही दिन में सामान्य दिनों से कई गुना अधिक बिक्री दर्ज होती है। यही तस्वीर पूर्वांचल के अयोध्या, प्रयागराज, गोरखपुर और मिजार्पुर में भी दिखाई देती है, जहां नव वर्ष अब धार्मिक पर्यटन और स्थानीय व्यापार का साझा पर्व बन चुका है। उत्तर प्रदेश, जो पहले ही देश का सबसे अधिक पर्यटक आगमन वाला राज्य बन चुका है, नव वर्ष के अवसर पर होटल ऑक्यूपेंसी, स्थानीय बाजार बिक्री और परिवहन सेवाओं में तेज उछाल देखता है।

अब नव वर्ष सिर्फ कैलेंडर बदलने का दिन नहीं रह गया है। यह उत्सव, उपभोग, आस्था, पर्यटन और व्यापार का ऐसा संगम बन चुका है, जिसमें देश की अर्थव्यवस्था का हर सेक्टर किसी न किसी रूप में शामिल होता है। 2025 की विदाई और 1 जनवरी 2026 का पहला सूर्योदय अब एक राष्ट्रीय आर्थिक उत्सव का स्वरूप ले चुका है। फूलों की खुशबू से लेकर मंदिरों की घंटियां, होटल, रेस्तरां की बुकिंग से लेकर टूर पैकेज, केक, चॉकलेट से लेकर ज्वेलरी और गिफ्ट आइटम तक, हर सेक्टर में अरबों रुपये का कारोबार केवल 48 से 72 घंटे में खड़ा हो जाता है। मतलब साफ है जब घड़ी की सुइयाँ 31 दिसंबर की रात बारह बजाती हैं और एक नया कालखंड 1 जनवरी की पहली किरण के साथ उभरता है, तब सिर्फ एक तारीख नहीं बदलती, पूरे देश की उपभोक्ता चेतना, पर्यटन गतिविधि, पूजा, आराधना, आतिशबाजी और व्यापार का चक्र सक्रिय हो जाता है। 2025 की विदाई और 2026 के स्वागत का यह पर्व अब केवल भावनात्मक उत्सव नहीं रहा। यह भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण मोटर बन चुका है, जहां स्थानीय व्यापारी से लेकर राष्ट्रीय ब्रांड, होटल उद्योग से लेकर ईइकॉमर्स तक, सभी की हिस्सेदारी है। वैसे भी भारत में उत्सवों का आर्थिक महत्व सिर्फ दीपावली या होली तक सीमित नहीं रह गया है। वर्ष के अंत में आने वाला नव वर्ष भी एक बड़ा आर्थिक अवसर बन चुका है, जो आवास, ट्रैवल, खानपान, पूजा सामग्री, फूल, सजावट और गिफ्टिंग जैसे कई वर्गों को जोड़ता है। या यूं कहे त्योहारों के दौरान खर्च का प्रभाव डीजीपी पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है और कुल खर्च का मल्टिप्लायर इफेक्ट अर्थव्यवस्था में विस्तृत रूप से फैलता है। अधिकांश प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों में होटलों की बुकिंग 30 से 70 फीसदी बढ़ जाती है और सामान्य दिनों की तुलना में 19 फीसदी तक अधिक रिटर्न देती है।

मध्य प्रदेश के पचमढ़ी जैसे हिल स्टेशन पर कुछ स्थानों पर होटल किराया दोगुना से तीन गुना हो गया है, और लगभग पूरा आवास हाउसफुल है। उत्तर प्रदेश, मध्य भारत, राजस्थान, हिमाचल और कर्नाटक जैसे पर्यटन हॉटस्पॉट में दिसंबर के अंतिम सप्ताह से 1 से 2 जनवरी तक ट्रैवल की मांग आसमान छूती है। वाराणसी और पूर्वांचल में 1 जनवरी को न सिर्फ स्थानीय लोग, बल्कि देश से विदेश से सैलानी भी धार्मिक सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं। वाराणसी में करीब 700 करोड़ के निवेश की संभावनाएं पर्यटन और होटल उद्योग में जगी हैं, जिससे अगले वर्ष तक इन सेक्टरों का विस्तार और तेज होगा। उत्तर प्रदेश में नव वर्ष के पहले से ही प्रमुख मंदिरों, मथुरा वृंदावन, अयोध्या, वाराणसी आदि में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती दिखाई देती है। यह न केवल धार्मिक अनुभव है, बल्कि पूजा सामग्री बिक्री प्रसाद, फूलमाला विक्रय, प्रसारण, डिजिटल सामग्री से लेकर स्थानीय परिवहन सेवाओं तक एक विस्तृत आर्थिक नेटवर्क का निर्माण करता है। ये तीर्थ स्थलों पर आने वाले लाखों यात्रियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ मिलता है, जो जनता बाजार, होटल, भोजन, गाइड सेवाओं और पारिवारिक खर्च से जुड़े हिस्सों में परिलक्षित होता है। यूपी के हाल के पर्यटन आंकड़े इस बात का प्रमाण देते हैं कि आस्था पर्यटन वृद्धि गति पिछले वर्षों में 361 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जो राज्य के प्रमुख पर्यटन केंद्रों के सहयोग से एक महत्त्वपूर्ण सुधार को दशार्ती है। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर फूलों का व्यापार एक महत्त्वपूर्ण उप-सेक्टर रहता है। गुलाब, ऑर्किड, जनरल हरे पत्तों के बुके, विशेष पूजा माला के साथ सजावट सामग्रियों की बिक्री तैनाती को बढ़ावा देती है। यह केवल उपभोक्ता मांग नहीं, बल्कि लेबर, ढुलाई, आयात/निर्यात, स्थानीय उत्पादों और छोटे विक्रेताओं के लिए एक आय स्रोत बनता है।

नव वर्ष के अवसर पर खानपान उद्योग सभी श्रेणियों में तेजी से फलता फूलता हैः रेस्तरां, डिनर पैकेज, पार्टी मेन्यू केक, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी घरेलू खाद्य आपूर्ति, यह सब मिलकर फूड बेवरेज सेक्टर के राजस्व को सामान्य दिनों से 30 से 50 फीसदी अधिक बनाते हैं। नव वर्ष के दौरान ई कॉमर्स साइट्स पर विशेष नव वर्ष सेल और मार्केटिंग कैंपेन चलते हैं. उपभोक्ता कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गिफ्ट आइटम, होम डेकोर, ज्वेलरी आदि में खर्च बढ़ाते हैं. भारत में त्योहारों का कुल इ कॉमर्स बिक्री मूल्य 1 लाख करोड़ के स्तर को पार कर चुका है, और यह नव वर्ष के आसपास के खर्च को भी शामिल करता है। नव वर्ष का यह पर्व श्रमिकों अस्थायी कर्मचारियों कैटरिंग स्टाफ इवेंट मैनेजमेंट टीम होटल और गाइड्स को सीजनल रोजगार देता है। विशेषकर पर्यटन, आयोजन, फूल फर्नीचर वितरण, जीपीएस टैक्सी और स्थानीय व्यवसायों में यह रोजगार पहले के वर्षों की तुलना में अधिक स्थिर और लाभकारी साबित हो रहा है। राज्य के अनुपूरक बजट में विशेष प्रावधानों से पर्यटन, धर्म एवं पर्यटन आधारित अवसंरचना को नई गति मिली है, ताकि नव वर्ष जैसे उत्सवों से जुड़े व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन हो सके। देश में ठेक्क् में उत्तर प्रदेश की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ रही है। योगी सरकार द्वारा ह्लईजी आफ डूइंग बिजनेसह्व में किए गए सुधारों से व्यापारी और निवेशक भरोसा बढ़ा है, जिसका प्रभाव पूर्वांचल और खासकर बनारस, जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। नव वर्ष का व्यापार केवल बड़े नगरों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण व्यापारियों, कारीगरों, हस्तशिल्पकारों को भी इस मौके पर संभावना मिलती है कि वे अपने उत्पाद फूल, कपड़े, लाइटिंग, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री को स्थानीय से राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाएं। मतलब साफ है नव वर्ष 2025 की विदाई और 2026 का स्वागत अब अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं रहा, यह खपत, पर्यटन, रोजगार, निवेश और स्थानीय राष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था को गतिशील करने वाला एक इंटरलिंक्ड आर्थिक इवेंट बन चुका है। जहां श्रद्धा और उत्सव का पवित्र भाव होता है, वहीं व्यापार और अर्थव्यवस्था की धड़कन भी उसी समय फलती फूलती है। इस पर्व पर भारत भर के बाजार, होटल तकियों तक, ईइकॉमर्स से लेकर छोटे दुकानदारों तक, सभी एक साझा आर्थिक उत्साह का हिस्सा बनते हैं, जिसे न केवल 1 जनवरी का जश्न कहा जाता है, बल्कि एक विकसित, जीवंत और उत्सव-आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता है। भारत का पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर 2025 में घरेलू यात्रियों के खर्च के आधार पर लगभग 15.5 लाख करोड़ को पार कर चुका है, जो महामारी-पूर्व स्तर से 22 फीसदी अधिक है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का खर्च भी 3.1 लाख करोड़ तक पहुंचा। इस वृद्धि ने सम्पूर्ण पर्यटन सेक्टर को लगभग 21 लाख करोड़ तक पहुंचाया है। आने वाले वर्षों में अनुमान है कि डोमेस्टिक ट्रैवल स्पेंड 2034 तक लगभग 33.95 ट्रिलियन (लगभग 33.95 लाख करोड़) तक पहुँच सकता है, जिससे होटल, एयरलाइंस और होस्पिटैलिटी का कारोबार और तेजी से बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश, भारत का सबसे अधिक देखा जाने वाला राज्य के रूप में उभरा है। 2025 में रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज जैसे तीर्थस्थलों ने देश-विदेश के सैलानियों को आकर्षित किया। काशी (वाराणसी) 2025 (सितंबर तक) लगभग 14.69 करोड़ पर्यटक आए हैं और वर्ष के अंत में इसकी संख्या लगभग 18 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। 2014 से 2025 तक कुल 45.44 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने काशी का दौरा किया, यह वृद्धि स्थानीय रोजगार, होटल रूम बुकिंग और स्थानीय खरीद-बिक्री को मजबूती देती है।

2025 के पहले छह महीनों में उत्तर प्रदेश में 121 करोड़ से अधिक पर्यटक आगमन हुआ, इसका बड़ा हिस्सा हॉस्पिटैलिटी और रिटेल सेक्टर के लिए व्यावसायिक अवसर पैदा करता है। 2025 के अप्रैल से अगस्त के बीच यूपी के हवाई अड्डों से यात्रियों की संख्या 60.02 लाख रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14.6 फीसदी अधिक है. यह संकेत है कि उभरते पर्यटन और व्यापार यात्रा का प्रभाव भी छोटे-बड़े शहरों तक फैल रहा है। मतलब साफ है उत्तर प्रदेश खासकर वाराणसी-अयोध्या-प्रयागराज पर्यटन त्रिकोण के कारण अपना स्थान मजबूत कर रहा है। यह परंपरा आधारित पर्यटन व्यक्तिगत खर्च के साथ होटल, परिवहन, स्थानीय सेवाएँ, खानपान और खरीदारी को उत्प्रेरित करता है। वाराणसी में होटल उद्योग में पर्यटकों की संख्या में लगभग 42 फीसदी की वृद्धि देखी गई है, जो उसके हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 66 फीसदी तक की वृद्धि में बदलती है, इसका असर स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार पर गहरा है। वाराणसी का प्रति व्यक्ति आय 1,03,334 के पार पहुंच गया है, जो स्थानीय व्यापार, सेवाएँ, पर्यटन-उपयोग और खरीददारी में सीधी वृद्धि दशार्ता है। बढ़ती पर्यटन संख्या और प्रतिव्यक्ति आय का सीधा प्रभाव बनारस में होटल बुकिंग, गाइड सेवाएँ, पूजा-सामग्री, फूल-गुलदस्ता, गिफ्टिंग, होमस्टे और रिटेल पर दिखता है।

सेक्टर-वाइज कारोबार स्थिति

सेक्टर बनारस (काशी)

पूर्वांचल उत्तर प्रदेश

देश स्तर (भारत)

फूल, माला, गुलदस्ताः 25 से 30 करोड़, 70 से 90 करोड़, 350 से 400 करोड़, 900 से 1200 करोड़

पूजा सामग्री व प्रसादः 18 से 22 करोड़, 50 से 60 करोड़, 250 से 300 करोड़, 700 से 900 करोड़

होटल व होम-स्टेः 80 से 100 करोड़, 200 से 250 करोड़, 1200 से 1500 करोड़, 9000 से 12000 करोड़

रेस्तरां, खानपान, केटरिंगः 60 से 75 करोड़, 180 से 220 करोड़, 1500 से 1800 करोड, 18000 से 22000 करोड़

पर्यटन व ट्रैवल (टैक्सी, नाव, टिकट): 120 से 150 करोड़, 300 से 350 करोड़, 2000 से 2500 करोड़, 15000 से 18000 करोड़

केक, बेकरी, मिठाई, चॉकलेटः 20 से 25 करोड़, 60 से 80 करोड़, 400 से 500 करोड, 2500 से 3000 करोड़

गिफ्ट, सजावट, लाइटिंगः 15 से 20 करोड़, 50 से 60 करोड़, 350 से 450 करोड़, 2000 से 2500 करोड़

ई-कॉमर्स व ऑनलाइन सेवाएँ: 40 से 50 करोड़, 120 से 150 करोड़, 1000 से 1200 करोड़, 25000 से 30000 करोड

इवेंट, पार्टी, मनोरंजनः 30 से 40 करोड़, 80 से 100 करोड़, 600 से 700 करोड़, 4000 से 5000 करोड़

कुल अनुमानित कारोबारः 410 से 510 करोड़, 1100 से 1360 करोड, 9000 से 10500 करोड़, 75,000 से 95,000 करोड़

यह आंकड़े नव वर्ष सप्ताह (31 दिसंबर से 1 जनवरी) पर आधारित अनुमानित व्यापारिक मूल्य हैं। स्रोतः पर्यटन विभाग, होटल संघ, व्यापार मंडल, पूर्व वर्षों के बिक्री ट्रेंड

वास्तविक बिक्री स्थान व मांग के अनुसार कम-ज्यादा हो सकती है

बनारस व पूर्वांचलः सेक्टर-वाइज बिक्री स्थिति

सेक्टर बनारस (काशी)

पूर्वांचल (समग्री)

फूल, माला, गुलदस्ताः 25 से 30 करोड़, 70 से 90 करोड़

पूजा सामग्री व प्रसादः 18 से 22 करोड़, 50 से 60 करोड़

होटल, लॉज, होम-स्टेः 80 से 100 करोड़, 200 से 250 करोड़

रेस्तरां, खानपान, केटरिंगः 60 से 75 करोड़, 180 से 220 करोड़

पर्यटन व ट्रैवल सेवाएँ(टैक्सी, नाव, गाइड, टिकट): 120 से 150 करोड़, 300 से 350 करोड़

केक, बेकरी, मिठाई, चॉकलेटः 20 से 25 करोड़, 60 से 80 करोड़

गिफ्ट, सजावट, लाइटिंगः 15 से 20 करोड़, 50 से 60 करोड़

ई-कॉमर्स व ऑनलाइन डिलीवरीः 40 से 50 करोड़, 120 से 150 करोड़

इवेंट, पार्टी, मनोरंजनः 30 से 40 करोड़, 80 से 100 करोड़

कुल अनुमानित कारोबारः 410 से 510 करोड़, 1100 से 1360 करोड़ आंकड़े 31 दिसंबर से 1 जनवरी के नव वर्ष सप्ताह पर आधारित अनुमानः स्थानीय व्यापार संघ, होटल एसोसिएशन, पर्यटन विभाग व पिछले वर्षों के ट्रेंड पर आधारित. वास्तविक बिक्री भीड़, मौसम और पर्यटन प्रवाह के अनुसार घट-बढ़ सकती है

एक नजर

- बनारस में नव वर्ष पर पर्यटन व होटल सेक्टर सबसे बड़ा कारोबारी क्षेत्र

-पूर्वांचल में धार्मिक पर्यटन $ खानपान से सबसे अधिक नकदी प्रवाह

-फूल, पूजा-सामग्री और केक जैसे छोटे सेक्टर भी करोड़ों की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं

-नव वर्ष सप्ताह में हजारों अस्थायी रोजगार भी सृजित

फूल, गुलदस्ता उद्योगः खुशबू में लिपटी करोड़ों की कमाई

नव वर्ष आते ही सबसे पहले जो कारोबार महकता है, वह है फूल उद्योग। बिक्री का दायराः गुलाब, जरबेरा, ऑर्किड, लिली, कार्नेशन, बुके, फ्लावर बॉक्स, फ्लावर बास्केट, पूजा फूल, माला, सजावटी पुष्प यानी केवल उत्तर भारत में अनुमानित 800 से 1000 करोड़ रुपये. वाराणसी, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे शहरों में 3 से 5 गुना तक बिक्री. लोकल फूल विक्रेताओं से लेकर बड़े फ्लावर चेन तक लाभः फूल मंडियों में 31 दिसंबर की रात नींद नहीं होती, बल्कि सबसे बड़ी बिक्री होती है। मंदिर, पूजा - पाठ और आस्था की अर्थव्यवस्थाः नव वर्ष 2026 का पहला दिन अब बड़ी संख्या में लोगों के लिए मंदिरों में शीश नवाने का दिन बन चुका है।

आस्था से जुड़ा कारोबार

पूजा सामग्रीः नारियल, चुनरी, अगरबत्ती, दीपक पंडा - पुरोहित सेवाएं, दान - दक्षिणा आदि. काशी, अयोध्या, उज्जैन, तिरुपति जैसे शहर 1 जनवरी को लाखों श्रद्धालु, मंदिरों की आय में सामान्य दिनों से 2 से 3 गुना वृद्धि. होटल, नाव, प्रसाद, टैक्सी सबको सीधा लाभ. यह धार्मिक पर्यटन $ लोकल इकोनॉमी का मजबूत उदाहरण है।

होटल, रेस्टोरेंट और पार्टी कल्चरः

जश्न का सबसे बड़ा बाजार

नव वर्ष का सबसे बड़ा व्यावसायिक लाभ होटल और खानपान सेक्टर को होता है। होटल इंडस्ट्री 80 से 100 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी. महंगे पैकेज, गाला डिनर, लाइव म्यूजिक एक रात में लाखों की कमाई.

रेस्तरां और फूड स्टार्टअप

केक, पेस्ट्री, स्नैक्स, ड्रिंक्स ऑनलाइन फूड डिलीवरी में रिकॉर्ड ऑर्डर, लोकल ढाबे से लेकर फाइव स्टार तक व्यस्त. अनुमान है कि भारत में नव वर्ष सप्ताह में अकेले फूड सेक्टर का कारोबार 15 से 20 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचता है।

पर्यटन और ट्रैवल इंडस्ट्रीः सड़कों से आसमान तक कारोबार

नव वर्ष अब टूरिज्म सीजन का पीक पॉइंट बन गया है। पर्यटन के प्रमुख केंद्र गोवा, मनाली, नैनीताल, जयपुर वाराणसी, अयोध्या, उज्जैन, दक्षिण भारत के हिल स्टेशन आदि. आर्थिक प्रभाव फ्लाइट टिकट महंगे, होटल पैकेज फुल, टैक्सी, ऑटो, गाइड सबको रोजगार, ट्रैवल इंडस्ट्री का अनुमान है कि नव वर्ष के दौरान 25 से 30 लाख लोग केवल पर्यटन के लिए यात्रा करते हैं।

गिफ्ट, चॉकलेट, केक और सजावटः भावनाओं का व्यापार

नव वर्ष शुभकामनाओं का पर्व है, और शुभकामनाएं अब गिफ्ट इकॉनमी से जुड़ चुकी हैं। लोकप्रिय आइटमः चॉकलेट हैम्पर, केक और कस्टमाइज्ड बेकरी, कैंडल, शोपीस, कार्ड, स्मार्ट गैजेट्सः यह सेक्टर खासकर युवाओं और शहरी बाजार में तेजी से बढ़ता है।

डिजिटल और ई-कॉमर्सः ऑनलाइन जश्न की नई अर्थव्यवस्था

नव वर्ष अब ऑनलाइन सेल्स फेस्टिवल भी है। ई-कॉमर्स पर भारी डिस्काउंट मोबाइल, कपड़े, ज्वेलरी की बंपर बिक्री, डिजिटल गिफ्ट कार्ड, ऑनलाइन बुकिंग, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर ट्रैफिक सामान्य दिनों से 2 गुना तक बढ़ जाता है। स्थानीय रोजगार और अस्थायी अर्थव्यवस्था मतलब साफ है नव वर्ष का यह उत्सव स्थायी नहीं, लेकिन शक्तिशाली अस्थायी रोजगार भी पैदा करता है। फूल विक्रेता, अस्थायी कर्मचारी, होटल स्टाफ, टैक्सी ड्राइवर, इवेंट मैनेजमेंट. एक अनुमान के अनुसार नव वर्ष के सप्ताह में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है।

उत्सव से अर्थव्यवस्था तक का सफर

नव वर्ष 2025 की विदाई और 2026 का आगमन अब सिर्फ भावनात्मक क्षण नहीं, बल्कि भारत की मल्टी, सेक्टर अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण इंजन बन चुका है। यह दिन बताता है कि खुशी, आस्था, उपभोग और व्यापार, जब एक साथ चलते हैं, तो एक तारीख करोड़ों की कहानी बन जाती है।

उपलब्धियों के शोर में दबे सचः 2025 का आत्ममंथन

- डॉ सत्यवान सौरभ

बीता साल, बचे सवालः 2025 का भारत

इतिहास केवल तारीखों और घटनाओं का संग्रह नहीं होता, वह समाज की सामूहिक चेतना का आईना भी होता है। बीते कुछ वर्ष, और विशेष रूप से वर्ष 2025, भारत के लिए ऐसा ही एक आईना बनकर सामने आए—जिसमें हमने अपनी उपलब्धियाँ भी देखीं और अपनी असहज सच्चाइयाँ भी। यह वर्ष उम्मीद और हताशा, प्रगति और पिछड़ेपन, गर्व और ग्लानि—इन सभी भावों का एक साथ साक्षी बना।

2025 में भारत ने कई मोर्चों पर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने आम नागरिक के जीवन को अपेक्षाकृत सरल बनाया। यूपीआई जैसी तकनीकों ने यह दिखाया कि यदि नीयत हो तो तकनीक जनसाधारण तक पहुँच सकती है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में उद्यमिता का विश्वास जगाया, अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत ने सीमित संसाधनों में असाधारण क्षमताओं का परिचय दिया, और बुनियादी ढाँचे—सड़कों, रेल, हवाई अड्डों—के विस्तार ने ह्यतेजी से बढ़ते भारतह्न की छवि को मजबूत किया। इन उपलब्धियों से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन यहीं आत्ममंथन की जरूरत भी पैदा होती है, क्योंकि सवाल केवल विकास का नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव का है।

विकास के चमकदार आँकड़ों के समानांतर 2025 में बेरोजगारी और महंगाई की सच्चाई भी उतनी ही तीखी रही। पढ़े-लिखे युवाओं के हाथों में डिग्रियाँ थीं, लेकिन रोजगार नहीं। भर्ती परीक्षाओं की अनिश्चितता, परिणामों में देरी और निजी क्षेत्र की अस्थिरता ने एक पूरी पीढ़ी को मानसिक दबाव में डाल दिया। महंगाई ने आम आदमी की रसोई से संतुलन छीन लिया। दाल-सब्जी, गैस, शिक्षा और स्वास्थ्य—सब कुछ महँगा होता गया, पर आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह आर्थिक असंतुलन धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष में बदलता चला गया।

2025 में किसान और मजदूर की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं रही। मौसम की मार, फसल के उचित दाम न मिलना, बढ़ता कर्ज. और नीति-स्तर की अनदेखी ने किसान को लगातार असुरक्षा में रखा। कहीं संवाद टलता रहा, कहीं आंदोलनों को दबाने की कोशिश हुई। यह विडंबना है कि जो देश को भोजन देता है, वही सबसे अधिक अनिश्चित भविष्य से घिरा है। मजदूरों की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं रही। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों लोग सामाजिक सुरक्षा, स्थायी रोजगार और सम्मानजनक जीवन से वंचित रहे। विकास की इमारत जिन हाथों से खड़ी होती है, वे हाथ अक्सर सबसे ज्यादा थके और सबसे कम सुरक्षित होते हैं।

सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत 2025 में और अधिक उजागर हुई। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की बदहाली अब किसी एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है। शिक्षक संसाधनों की कमी और प्रशासनिक दबाव के बीच काम करते रहे, वहीं स्वास्थ्यकर्मी अत्यधिक कार्यभार, सीमित सुविधाओं और असुरक्षा के वातावरण में अपनी ज़िम्मेदारी निभाते रहे। निजीकरण ने विकल्प तो दिए, लेकिन समानता नहीं। शिक्षा और स्वास्थ्य धीरे-धीरे अधिकार की जगह बाजार की वस्तु बनते चले गए, और इसका सबसे बड़ा नुकसान उन लोगों को हुआ जो पहले से ही सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर थे। लोकतंत्र की दृष्टि से भी 2025 एक बेचैन करने वाला वर्ष रहा। असहमति को देशविरोध से जोड़ने की प्रवृत्ति ने सार्वजनिक विमर्श को संकुचित किया। लेखकों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकताओं पर बढ़ता दबाव यह संकेत देने लगा कि सत्ता से सवाल पूछना जोखिम भरा होता जा रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर गिरफ्तारियाँ, अभिव्यक्ति की सीमाएँ तय करने की कोशिशें और संवैधानिक संस्थानों की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न यह याद दिलाते रहे कि लोकतंत्र केवल चुनावी प्रक्रिया से जीवित नहीं रहता। वह जीवित रहता है स्वतंत्र प्रेस, निर्भीक नागरिकों और जवाबदेह संस्थानों से। धर्म और पहचान की राजनीति ने 2025 में समाज को बार-बार विभाजित किया। धार्मिक उन्माद, भीड़तंत्र की मानसिकता और नैतिक पुलिसिंग ने संविधान में निहित समानता, बंधुत्व और धर्मनिरपेक्षता के मूल विचारों को चुनौती दी। धर्म, जो व्यक्ति का निजी आस्था-क्षेत्र होना चाहिए था, वह सत्ता और राजनीति का औजार बनता चला गया। इसका परिणाम यह हुआ कि समाज में अविश्वास बढ़ा, संवाद टूटा और मानवीय रिश्तों में दरारें गहराती चली गईं।

इन तमाम निराशाजनक स्थितियों के बीच 2025 ने उम्मीद की कुछ ठोस झलकें भी दीं। युवाओं ने सवाल पूछे, छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की, किसानों और कर्मचारियों ने संगठित होकर अपने अधिकारों की माँग की। नागरिक संगठनों और स्वतंत्र पत्रकारिता ने यह साबित किया कि भारतीय लोकतंत्र पूरी तरह मौन नहीं हुआ है। यह प्रतिरोध केवल सत्ता के विरुद्ध नहीं था, बल्कि उस सामाजिक उदासीनता के विरुद्ध भी था जो धीरे-धीरे हमें भीतर से खोखला कर देती है।

2025 ने यह स्पष्ट कर दिया कि विकास को केवल जीडीपी के आँकड़ों से नहीं मापा जा सकता। जब तक गाँव सुरक्षित नहीं होंगे, किसान आश्वस्त नहीं होगा, मजदूर सम्मान के साथ नहीं जिएगा, शिक्षक और स्वास्थ्यकर्मी संरक्षित नहीं होंगे, और छात्र भविष्य को लेकर भयमुक्त नहीं होंगे, तब तक ह्यविकसित भारतह्न केवल एक आकर्षक नारा ही बना रहेगा। तकनीक तभी सार्थक है जब वह मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी हो, और शासन तभी सफल माना जा सकता है जब उसका प्रभाव अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे।

बीते वर्षों, और विशेषकर 2025 की सबसे बड़ी सीख यही है कि भारत को बचाने की ज़िम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की भी है। लोकतंत्र में चुप्पी तटस्थता नहीं होती; वह अक्सर अन्याय की सबसे मजबूत सहयोगी बन जाती है। जब हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं, तब हम अनजाने में उसके पक्ष में खड़े हो जाते हैं। 2025 ने हमें यह एहसास कराया कि अब चुप रहना विकल्प नहीं रहा। सवाल करना, असहमति जताना और संवाद बनाए रखना ही आज का सबसे बड़ा देशप्रेम है।

2025 केवल एक बीता हुआ वर्ष नहीं है, बल्कि एक चेतावनी और एक अवसर दोनों है। चेतावनी इस बात की कि यदि हमने असमानता, असहिष्णुता और दमन को सामान्य मान लिया, तो लोकतंत्र भीतर से खोखला हो जाएगा। और अवसर इस बात का कि हम विकास की दिशा, राजनीति की भाषा और नागरिक भूमिका—तीनों पर गंभीर पुनर्विचार कर सकते हैं। यदि 2025 से हमने सच में कुछ सीखा है, तो वही सीख आने वाले वर्षों को अधिक मानवीय, अधिक न्यायपूर्ण और अधिक लोकतांत्रिक बना सकती है।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा गरीब व असहायों को कंबल वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा समाजसेवा के तहत गरीब, विधवा एवं असहाय मजदूर वर्ग के लोगों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुभाष गौतम के नेतृत्व में जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया।

कार्यक्रम में भावी जिला पंचायत प्रत्याशी वीरेंद्र कुमार यादव (हाईकोर्ट वकील), ग्राम प्रधान अनुराग यादव, साहब लाल यादव एवं अमर नाथ गौतम की विशेष उपस्थिति रही। सभी जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों द्वारा किए गए इस जनहितकारी कार्य की ग्रामीणों ने खुले दिल से सराहना की। ग्राम सभा मंसिल सहित आसपास के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया। वहीं केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने भावी जिला पंचायत सदस्य मछलीशहर के रूप में जनता से जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से आशीर्वाद लिया। जनसंपर्क के दौरान उन्हें अपार जनसमर्थन मिला और लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में ग्राम प्रधान सहित सभी जनप्रतिनिधियों को उनके सामाजिक योगदान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर श्री सुभाष चंद्र गौतम, प्रदेश अध्यक्ष, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन (उत्तर प्रदेश) ने कहा कि संस्था आगे भी समाज के कमजोर वर्गों के लिए निरंतर सेवा कार्य करती रहेगी।

भिवंडी में मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक का चुनाव प्रक्रिया निरीक्षण को लेकर औचक दौरा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बतादें कि भिवंडी महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने आदिवासी विकास महामंडल के अपर आयुक्त गोपीचंद कदम को मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक तथा राज्य दिव्यांग, वित्त एवं विकास महामंडल के व्यवस्थापकीय संचालक प्रकाश थवील को चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक गोपीचंद कदम और चुनाव पर्यवेक्षक प्रकाश थवील बुधवार (31 दिसंबर) को भिवंडी शहर में दाखिल हुए। इस अवसर पर मुख्य चुनाव निर्णय अधिकारी तथा आयुक्त अनमोल सागर ने दोनों पर्यवेक्षकों का स्वागत किया। इसके पश्चात दोनों पर्यवेक्षकों ने शहर के विभिन्न चुनाव कार्यालयों का दौरा कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जिनमें संपदा नाईक सभागृह, भादवड चुनाव कार्यालय, वरालदेवी मंगल भवन चुनाव कार्यालय, अल शहा मोहम्मद बहुउद्देशीय सभागृह (खुदाबक्श हॉल) चुनाव कार्यालय, तथा स्व. राजय्या गाजेंगी सांस्कृतिक हाल चुनाव कार्यालय शामिल हैं। साथ ही अल शहा मोहम्मद बहुउद्देशीय सभागृह स्थित चुनाव कार्यालय में चल रहे चुनाव मशीनों की जांच कार्य का भी निरीक्षण किया गया। मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक एवं चुनाव पर्यवेक्षक का कार्यालय पालिका मुख्यालय के दूसरे माले पर कक्ष क्रमांक 214 में स्थापित किया गया है। नागरिकों की चुनाव संबंधी शिकायतों को दर्ज करने के लिए यहां विशेष कक्ष की व्यवस्था की गई है। मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की चुनाव संबंधी शिकायत इस कार्यालय में दर्ज कराएं।

होमलेन की 100 नए स्टोर्स के साथ देशभर में विस्तार की तैयारी

मुंबई। भारत की मशहूर होम इंटीरियर कंपनी होमलेन के लिए बीता साल बड़ी सफलता लेकर आया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 का अंत शानदार मुनाफे के साथ किया है। इस दौरान होमलेन ने 22% की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए 756 करोड़ रुपये की कमाई की। सबसे खास बात यह रही कि चौथी तिमाही तक आते-आते कंपनी पूरी तरह मुनाफे की राह पर आ गई। इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने अब अगले एक साल में 100 नए फ्रैंचाइजी स्टोर्स खोलने का लक्ष्य रखा है। होमलेन का इरादा अब सिर्फ बड़े मेट्रो शहरों तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि छोटे और उभरते शहरों के घर-घर तक पहुंचने का है। होमलेन के सीईओ और सह-संस्थापक श्रीकांत अय्यर ने कहा, 2025 में हमने जो हासिल किया है, वह तो बस एक शुरूआत है। यह होमलेन की ग्रोथ के एक नए और रोमांचक दौर का आगाज है। अपने फ्रैंचाइजी नेटवर्क और काम करने के तरीके को मजबूत बनाकर हम देश के कोने-कोने तक हाई-क्वालिटी इंटीरियर पहुँचाने में सफल रहे हैं। 2026 में हमारा पूरा फोकस बड़े शहरों में अपनी पकड़ मजबूत करने और नए बाजारों में उतरने पर होगा। हम चाहते हैं कि घर बनवाना हर भारतीय के लिए एक आसान और सुखद अनुभव बने। हमें पूरा भरोसा है कि अपने पार्टनर्स और अपनी टेक्नोलॉजी के दम पर हम इस इंडस्ट्री में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

होमलेन का फ्रैंचाइजी मॉडल दो तरह से काम करता है–पहला ऋ्ढउड (निवेश पार्टनर का, संचालन कंपनी का) और दूसरा हाल ही में शुरू हुआ (निवेश और संचालन दोनों पार्टनर के)। साल 2025 में होमलेन ने अपनी मौजूदगी का दायरा बढ़ाते हुए 40 से ज्यादा शहरों में 55,000 से अधिक घरों को सजाया है। आज आलम यह है कि कंपनी हर दिन औसतन 30 घरों का इंटीरियर तैयार कर रही है।

भिवंडी में भाजपा के सुमित पाटिल के निर्विरोध चुने जाने से भाजपा के जीत का खाता खुलने पर मिल रही बधाईयां

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया में भारतीय जनता पार्टी ने जीत का खाता खोलते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। प्रभाग समिति क्रमांक 17-ब से भाजपा उम्मीदवार एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील के भतीजे सुमित पुरुषोत्तम पाटील निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। बतादें कि निर्विरोध जीत के बाद सुमित पाटील के निवास स्थान पर जोरदार विजय उत्सव मनाया गया। इसी दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फोन कर सुमित पाटील और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील को बधाई दी तथा कहा कि यह जीत भिवंडी में भाजपा की बड़ी विजय की शुरुआत साबित होगी। गौरतलब है कि भिवंडी महानगरपालिका के 24 वर्षों के इतिहास में हुई चार चुनावों में कोई भी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित नहीं हुआ था। यह रिकार्ड भाजपा के सुमित पाटील ने पांचवीं सार्वत्रिक चुनाव में बनाकर इतिहास रच दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में देश और राज्य में विकास की रफ्तार को कोई रोक नहीं सकता। इसी विश्वास के कारण जनता भाजपा की ओर देख रही है। प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में पद्मानगर स्थित प्रभाग क्रमांक 17-ब के सभी प्रतिस्पर्धी उम्मीदवारों ने क्षेत्र और शहर के विकास के लिए बड़े दिल से अपनी उम्मीदवारी वापस लेते हुए सुमित पाटील को नेतृत्व का अवसर दिया। कपिल पाटील ने विश्वास जताया कि यह जीत भिवंडी में महायुति के विजय रथ को आगे बढ़ाने वाली है और आगामी समय में महानगरपालिका पर भी महायुति की सत्ता स्थापित होगी तथा महापौर भी महायुति का ही बनेगा। वहीं सुमित पाटील ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में पद्मानगर क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों को जनता ने सराहा है।

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को और अधिक गति देने का कार्य भाजपा के माध्यम से ही संभव है इस विश्वास के लिए उन्होंने क्षेत्र की समस्त जनता का आभार व्यक्त किया।

जिला परिषद स्कूलों में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को गति, 8 जनवरी को काउंसलिंग

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के अंतर्गत प्राथमिक स्कूलों में मानधन आधारित संविदा पद्धति से रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया को शिक्षा विभाग द्वारा तेज कर दिया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में चयनित अभ्यर्थियों के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।जिला परिषद पालघर के शिक्षा विभाग (प्राथमिक) द्वारा संचालित इस प्रक्रिया में, इससे पहले 3 अप्रैल 2025 और 29 मई 2025 को आयोजित काउंसलिंग में कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 6 से 8 (विज्ञान और गणित समूह) के जो अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे थे, अथवा रिक्त पद उपलब्ध न होने या सुविधाजनक स्थान न मिलने के कारण जिन्होंने नियुक्ति से इनकार किया था, उन्हें 8 जनवरी 2026 को एक बार फिर अंतिम अवसर दिया जा रहा है। शिक्षण अधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर ने संबंधित सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। काउंसलिंग प्रक्रिया 8 जनवरी 2026 को दोपहर 12.00 बजे क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा सभागार, कक्ष क्रमांक 122, जिला परिषद पालघर, नई प्रशासनिक इमारत, पालघरझ्रबोईसर रोड में आयोजित की जायेगी। संबंधित अभ्यर्थियों की सूची और विस्तृत विज्ञप्ति जिला परिषद पालघर की आधिकारिक वेबसाइट www.zppalghar.gov.in पर उपलब्ध कराई गई है। जिले में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से रिक्त पदों को शीघ्र भरने की दिशा में यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

सामिश्रा सोसायटी, केशवपाड़ा मुलुंड में हर्षोल्लास के साथ नववर्ष स्वागत कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केशव पाड़ा, मुलुंड स्थित सामिश्रा सोसायटी में नववर्ष के उपलक्ष्य में भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन युवा ब्रिगेड एवं नैन्सी मैडम के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें सोसायटी के बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य एवं कला प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सचिन सिंह, आर. एम. पाल, मैथ्यू चेरियन, राकेश कुमार मिश्रा एवं मनोज सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की तथा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अतिथियों ने नववर्ष के अवसर पर बच्चों एवं उपस्थित नागरिकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक ऊर्जा और उल्लासपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

प्रशासन और स्पर्श फाउंडेशन की पहल से स्थलांतरित व वंचित बच्चों का स्कूल में हुआ दाखिला

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में प्रवासी मजदूर परिवारों और वंचित समुदायों के 23 स्कूल से बाहर बच्चों को औपचारिक रूप से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ दिया गया है। यह सफलता जिला परिषद प्रशासन और स्पर्श फाउंडेशन के समन्वय से चलाये गये विशेष अभियान का परिणाम है। इन बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की जा चुकी है, जबकि पाठ्यपुस्तकें और अन्य शैक्षणिक सामग्री जल्द ही उपलब्ध कराई जायेगी।

ज्ञात हो कि स्पर्श फाउंडेशन द्वारा कंबल वितरण अभियान के दौरान पालघर स्थित आरोग्यम अस्पताल परिसर में कई स्कूल से बाहर बच्चे नजर आए। इसके बाद फाउंडेशन ने 29 नवंबर को जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड से संपर्क कर इस विषय की जानकारी दी। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप किया। स्पर्श फाउंडेशन ने 3 दिसंबर को प्रत्यक्ष सर्वेक्षण कर 23 बच्चों की सूची प्रशासन को सौंपी। इसके बाद 28 दिसंबर की शाम 5.30 बजे मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे स्वयं शिक्षण अधिकारी सोनाली मातेकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी (मबाक) व्यंकटराव हुंडेकर और स्पर्श फाउंडेशन की अध्यक्ष ऋतु संखे के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान बच्चों की रहने की स्थिति और स्कूल में दाखिले की आवश्यकता का जायजा लिया गया तथा अभिभावकों और बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रयास के तहत 29 दिसंबर 2025 को 12 बच्चों का दाखिला नाना-नानी पार्क के पास स्थित आंगनवाड़ी में जबकि 14 बच्चों का दाखिला जिला परिषद स्कूल क्रमांक 1 में सफलतापूर्वक कराया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि जिले में एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हमारी जिम्मेदारी है। ऐसे अभियानों को आने वाले समय में और अधिक गति दी जायेगी। प्रशासन और सामाजिक संस्था के इस संयुक्त प्रयास की जिलेभर में सराहना की जा रही है।

वार्ड नंबर 139 में कांग्रेस की बगावत से हड़कंप मचा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई मनपा आम चुनाव 2025-26 के लिए नामांकन फाइल करने का मंगलवार को आखिरी दिन था। पार्टी का नॉमिनेशन न मिलने की वजह से कई जगहों पर बगावत हुई है। इसी तरह गोवंडी की वार्ड नंबर 139 में कांग्रेस पार्टी में बगावत से हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 139 से मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्तार खान की पत्नी श्रीमती गुलशनबी ने अपना निर्दलीय नॉमिनेशन फाइल किया है। डॉ. सत्तार खान 1985 से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं और इस इलाके में कांग्रेस पार्टी को बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया है। जमीन से जुड़े डॉक्टर सत्तार खान की इलाके में गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इसके अलावा लंबे समय से उन्होने आम गरीब लोगों के लिए मुफ्त आधार कार्ड, पैन कार्ड, लाडली बहना योजना, वरिष्ट नागरिक कार्ड, के अलावा सरकारी योजनाओं का लाभ स्थानीय लोगों को मिल सके इसके लिए मुफ्त जनसुविधा केंद्र शुरू कर रखा है। डॉ. सत्तार खान कई सालों से यहां के स्लम इलाके के लोगों के लिए काम कर रहे हैं और सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ के बहुत करीबी माने जाते हैं। उन्होंने अपनी पत्नी को कांग्रेस पार्टी से टिकट दिलाने की काफी कोशिश की थी। किंतु कांग्रेस हाई कमान ने खान के कार्यों को संज्ञान में न लिया। जिसके कारण डाक्टर सत्तार खान ने अपनी पत्नी श्रीमती गुलशनबी को यहां से निर्दलीय चुनाब लड़ाने का फैसला लिया है। जिससे विरोधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

डोंबीवली में शिवसेना के 4 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगरपालिका के आम चुनाव में भाजपा के बाद शिवसेना शिंदे गुट ने भी अपना खाता खोल लिया है। मतदान से पहले ही शिवसेना के चार प्रत्याशियों ने निर्विरोध चुनाव जीत लिया है। प्रभाग क्रमांक 24 से शिवसेना के रमेश म्हात्रे, विश्वनाथ राणे और वृषाली जोशी नगरसेवक पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। वहीं प्रभाग क्रमांक 28 से शिवसेना के नगरसेवक पद के उम्मीदवार और विधायक राजेश मोरे के पुत्र हर्षल मोरे भी निर्विरोध विजयी हुए हैं। शिवसेना के चार उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत से कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि डोंबिवली स्थित शहर शाखा में विधायक राजेश मोरे और विजयी उम्मीदवारों ने मिलकर जोरदार जश्न मनाया। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को पेढ़े खिलाकर खुशी जाहिर की। बतादें कि निकाय चुनाव के लिए 15 जनवरी को मतदान होने है। इस बार के चुनाव में पक्ष और विपक्ष के बीच काफी घमासान देखने को मिलेगा ऐसी चर्चा राजनीतिक गलियारों में हो रही थी, लेकिन मतदान से पहले ही मिली जीत के कारण शिवसेना का आत्मविश्वास बढ़ गया है।

बाबू आरएन सिंह की जयंती पर, 20 दिव्यांगों को मिला तिपहिया इलेक्ट्रिक साइकिल का उपहार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ के पूर्व अध्यक्ष बाबू आरएन सिंह की 78वीं जयंती सेवा, संवेदना और समाज के प्रति समर्पण के संदेश के साथ मनाई गई। नववर्ष के शुभ अवसर पर बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में आयोजित कार्यक्रम में 20 दिव्यांगजनों को तिपहिया इलेक्ट्रिक साइकिल भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई गई। कार्यक्रम में संघ के ट्रस्टी, पदाधिकारी, सदस्यगण और बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग उपस्थित रहे। भावनात्मक माहौल के बीच समाजसेवा की प्रेरक मिसालें सामने आईं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम तिवारी ने कहा कि उत्तर भारतीय संघ के संस्थापक स्वर्गीय बांकेराम तिवारी का संघ भवन का सपना उनके जीवनकाल में पूरा नहीं हो सका, लेकिन बाबू आरएन सिंह ने पूरे समाज को साथ लेकर उस सपने को साकार किया। आज उत्तर भारतीय संघ न केवल मुंबई बल्कि पूरे महाराष्ट्र में एक सशक्त और प्रतिनिधि संस्था के रूप में पहचाना जाता है।उन्होंने कहा कि बाबू आरएन सिंह के निधन के बाद उनके पुत्र संतोष आरएन सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समाज के लोग संघ से जुड़ रहे हैं, जिससे संस्था और अधिक मजबूत हो रही है। तिवारी ने यह भी बताया कि बाबू आरएन सिंह की जयंती केवल उनकी कर्मभूमि मुंबई में ही नहीं, बल्कि उनकी जन्मभूमि गोरखपुर के भरौली गांव में भी मनाई गई, जहां गरीब परिवारों को एक हजार कंबल वितरित किए गए। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि बाबू आरएन सिंह जैसे लोग कभी मरते नहीं, वे समाज के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं। जब भी उत्तर भारतीय संघ का इतिहास लिखा जाएगा, उनका नाम पहले पन्ने पर होगा। कार्यक्रम की शुरूआत वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम तिवारी, विशेष ट्रस्टी अमरजीत सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाबू आरएन सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उनके सामाजिक जीवन और योगदान पर आधारित वृत्तचित्र फिल्म भी प्रदर्शित की गई। समारोह को आध्यात्मिक रंग देते हुए लोकगायक सुरेश शुक्ला और उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। यह आयोजन न सिर्फ एक महान समाजसेवी को श्रद्धांजलि था, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश भी।

पालघर में सात दिवसीय भागवत कथा ज्ञान यज्ञ हवन व भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में सनातन संस्कृति को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भव्य खाटू श्याम मंदिर की स्थापना की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इसी क्रम में प्रसिद्ध कथा वाचक देवब्रत महाराज द्वारा सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति का लाभ प्राप्त किया।

इस धार्मिक आयोजन में उत्तर प्रदेश से पधारे विभा मिश्रा के बड़े भाई सुरेश चंद्र शुक्ला पूरे कथा सप्ताह में बहन के साथ कृष्ण भक्ति में लीन दिखाई दिए। उन्होंने पालघर में पूर्व में हुई साधु हत्या की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अब यहां एक ऐसा विशाल मंदिर बनना चाहिए, जो सनातन धर्म की रक्षा और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बने। कार्यक्रम में मीरा रोड से पधारे रामाश्रेय मिश्रा, विश्वनाथ बगड़िया (सीए), आशीष मिश्रा, तथा एडवोकेट समृद्ध आशीष मिश्रा ने अपनी माता की छाया बनकर सेवा और सहयोग प्रदान किया। कथा के समापन अवसर पर ठाकुर मंगल सिंह का विधिवत सम्मान किया गया। आयोजन की प्रमुख संयोजिका विभा मिश्रा ने बड़ी संख्या में महिलाओं को साथ लेकर इस धार्मिक अभियान को आगे बढ़ाया। मूल रूप से कानपुर निवासी विभा मिश्रा के मायके की सांस्कृतिक परंपराओं की झलक पालघर में स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिससे क्षेत्र में भक्ति और संस्कार का वातावरण बना। इस आयोजन से पालघर में धार्मिक एकता, सनातन चेतना और सामाजिक समरसता को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

14 लाख के 75 गुमशुदा मोबाइल लौटाए, खिल उठे चेहरे

◆ नववर्ष पर जौनपुर पुलिस का तोहफा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नववर्ष के मौके पर जौनपुर पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए सैकड़ों मोबाइल धारकों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी। साइबर क्राइम थाना जौनपुर ने सीईआईआर पोर्टल के

माध्यम से जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए 75 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए। इन मोबाइलों की कुल बाजार कीमत लगभग 14 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, बरामद मोबाइलों में से 20 मोबाइल फोन दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान जैसे अन्य प्रांतों से तथा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, प्रतापगढ़, बलिया, भदोही और उन्नाव जनपदों से 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए मोबाइल फोन मुख्य रूप से वन प्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग जैसी नामी कंपनियों के हैं।

मोबाइल फोन वितरण कार्यक्रम में नोडल साइबर क्राइम एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम देवेश सिंह की उपस्थिति में मोबाइल स्वामियों को उनके फोन सौंपे गए। नववर्ष पर अपना खोया मोबाइल वापस पाकर सभी लाभार्थी बेहद खुश और संतुष्ट नजर आए।

साइबर क्राइम थाना जौनपुर की इस कार्रवाई के साथ ही अब तक जिले में कुल 1019 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को लौटाए जा चुके हैं।

इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना महेश पाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम सेल राजेश कुमार यादव सहित साइबर क्राइम थाना व जनपद के समस्त थानों की साइबर सेल टीम की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में तुरंत संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। वहीं साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

01 से 31 जनवरी तक जीरो फैटेलिटी माह के रूप में मनाया जाएगा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक को जीरो फैटेलिटी माह के रूप में मनाये जाने के निर्देश निर्गत किये गये है।

उक्त के अनुपालन में आज 01 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के प्रथम दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र एवं पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उद्घाटन करते हुए सड़क सुरक्षा की शपथ दिलायी गयी। उक्त के पश्चात जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ एवं प्रशिक्षु कान्स्टेबल, एन0सी0सी0 के छात्रों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए जनपदवासियों से अपील की गई कि सड़क सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ही वाहन का

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

संचालन करें और सुरक्षित रहे। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ एन0सी0सी0 के छात्र, यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग के समस्त कार्मिक कलेक्ट्रेट से होते हुए अम्बेडकर तिराहा एवं महत्मा गांधी तिराहा से होते हुए ए0आर0टी0 कार्यालय परिसर में समाप्त हुयी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन, उपजिलाधिकारी सदर सतवीर सिंह, सी0ओ0 ट्रैफिक गिरेन्द्र सिंह, कलेक्ट्रेट अधिवक्ता

संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह एडवोकेट, कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के महामंत्री मनोज मिश्रा एडवोकेट, व० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, यात्रीकर/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार यादव, ट्रैफिक निरीक्षक सुशील मिश्रा के साथ यातायात विभाग के समस्त कर्मचारी एवं परिवहन विभाग से समस्त कर्मचारी व समस्त प्रवर्तन कार्मिक उपस्थित रहे।

इसके उपरान्त दोपहर में दुर्गा सिटी हास्पिटल मुरादगंज तिराहा जौनपुर में डॉ0 आलोक यादव के सौजन्य से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रय का आयोजन किया गया। जिसमें बिना हेलमेट के वाहन चालकों को हेलमेट वितरण किया गया। उक्त आयोजन में कुल 100 हेलमेट का वितरण किया गया। उक्त के साथ जन सामान्य को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर सी0ओ0 ट्रैफिक गिरेन्द्र सिंह, व० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार यादव, ट्रैफिक निरीक्षक सुशील मिश्रा के साथ यातायात विभाग के समस्त कर्मचारी एवं परिवहन विभाग से समस्त प्रवर्तन कार्मिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

95वीं जयन्ती पर याद किये गये बाबू बालेश्वर लाल जी, पत्रकारिता मूल्यों का हुआ स्मरण

डा.राम सिगार शुक्ल 'गदेला' व लोलारक दूबे को मिला बाबू बालेश्वर लाल सम्मान-2025

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई द्वारा पूर्व निर्धारित

कार्यक्रम के तहत बाबू बालेश्वर लाल जी की 95वीं जन्म जयंती कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार संघ भवन में गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम संयोजक ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना रहे जबकि अध्यक्षता संघ के संरक्षक राकेश श्रीवास्तव ने किया। आयोजन का उद्देश्य बाबू बालेश्वर लाल जी के सामाजिक जीवन, उनके निर्भीक पत्रकारिता योगदान और ग्रामीण पत्रकारिता को सशक्त बनाने में निभाई गई भूमिका का स्मरण करना रहा।

इस मौके पर जनपद के दो वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित पत्रकार डॉ. राम सिगार शुक्ल 'गदेला' तथा लोलारक दूबे को उनके दीर्घकालीन, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता कार्यों के लिए बाबू बालेश्वर लाल सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। दोनों वरिष्ठ पत्रकारों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये। सम्मान समारोह के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा जो पत्रकारिता के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने बाबू बालेश्वर लाल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने पत्रकारिता को केवल समाचार संकलन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे समाज परिवर्तन और जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया। ग्रामीणांचलों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना, वंचित वर्ग की आवाज बनना और सच्चाई के पक्ष में निर्भीक लेखन करना उनके जीवन की पहचान थी। उनका जीवन आज भी पत्रकारों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत है।

सम्मानित पत्रकारों के योगदान की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. राम सिगार शुक्ल 'गदेला' और लोलारक दूबे ने अपने लेखन व आचरण से सत्य, संतुलन और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है। अध्यक्षीय उद्बोधन में राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में ग्रामीण पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे सुदृढ़ बनाए रखने में वरिष्ठ पत्रकारों का अनुभव अमूल्य है।

इस अवसर पर जय आनन्द, श्याम रतन श्रीवास्तव, रामजी जायसवाल, दयाशंकर निगम, प्रमोद जायसवाल, लक्ष्मी नारायण मौर्या, विवेक श्रीवास्तव, आशीष पांडेय, सतीश चंद्र शुक्ल, प्रशांत विक्रम सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, देवेंद्र खरे, प्रदीप पांडेय, अवधेश तिवारी, सोनू उपाध्याय, असलम परवेज, आबिश इमाम, तबरेज, भोला विश्वकर्मा, बुद्धि प्रकाश तिवारी, चंद्र प्रकाश शुक्ला, विशाल सोनकर, गोरख सोनकर, मेवा यादव, दानिश इकबाल, बख्तियार आलम, पंकज गुप्ता, राहुल गुप्ता, शनि मौर्य सहित तमाम पत्रकार उपस्थित रहे।

एडीएम-सीएमओ के सेवानिवृत्ति पर हुआ सम्मान समारोह

जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने अंगवस्त्रम व स्मृति-चिह्न भेंट कर किया अभिनंदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री राम अक्षयवर चौहान एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह के सफलतम कार्यकाल के उपरांत सेवानिवृत्ति के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा दोनों वरिष्ठ अधिकारियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर उनके दीर्घ, निष्ठापूर्ण एवं उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि श्री राम अक्षयवर चौहान एवं डॉ० लक्ष्मी सिंह ने अपने सेवाकाल में प्रशासनिक एवं विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के साथ किया। उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी चौहान द्वारा निर्वाचन

जैसे अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण कार्यों में किए गए कार्य सराहनीय एवं प्रशंसनीय रहे हैं। उन्हें जो भी दायित्व सौंपा गया, उसका निर्वहन उन्होंने पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यपरायणता के साथ किया, जो अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

जिलाधिकारी ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि उनके अनुभव, कार्यशैली एवं मार्गदर्शन से जनपद प्रशासन को सदैव लाभ मिलता रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सेवा निवृत्ति के पश्चात भी उनका अनुभव समाज एवं प्रशासनिक कार्यों में उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री राम अक्षयवर चौहान एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह ने सम्मान समारोह के आयोजन

अधिकारियों-कर्मचारियों ने दी भावपूर्ण विदाई, उज्ज्वल भविष्य की कामना

हेतु जिलाधिकारी सहित जनपद के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद में कार्य करने के दौरान उन्हें सहयोगपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण प्राप्त हुआ, जिसके कारण वे अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सके।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) अजय अंबष्ट, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नन्दन सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी, उपजिलाधिकारीगण, तहसीलदारगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने दोनों वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं सम्मानपूर्ण भविष्य की कामना की।

रांची में 50वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप सम्पन्न

यूपी के खिलाड़ियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रांची, झारखंड 50 वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन 27 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक रतनलाल जैन स्मृति भवन, रांची (झारखंड) में भव्य रूप से किया गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। योगा फेडरेशन जौनपुर की अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय रेफरी रजनी साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता से पूर्व 26 दिसंबर को सभागार में राष्ट्रीय रेफरियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतियोगिता के संचालन, निर्णयन प्रक्रिया एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

25 राज्यों के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा: इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देश के 25 राज्यों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता 8 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें खिलाड़ियों ने योगासन, संतुलन एवं लयबद्ध प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन: राष्ट्रीय रेफरी रजनी साहू ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। प्रदेश के बच्चों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट योग कौशल के बल पर कई पुरस्कार अपने नाम किए और उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

समापन समारोह में किया गया सम्मान: 31 दिसंबर की शाम को आयोजित समापन समारोह में झारखंड योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, रेफरियों एवं पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

25 दिसंबर को रवाना हुई थी यूपी टीम: उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर को उत्तर प्रदेश योगा फेडरेशन के तत्वावधान में 40 सदस्यों एवं बच्चों की एक टीम, फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय रेफरी रजनी साहू के नेतृत्व में झारखंड के लिए रवाना हुई थी, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार उपलब्धि हासिल की।

12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

◆ पुलिस की सूचना पर फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची

नौपेड़वां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को चपरामऊ गांव निवासी 12वीं की छात्रा वसु यादव (लगभग 20 वर्ष) ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को सुबह घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल युवती को फंदे से उतारा। उसे उपचार के लिए जौनपुर के नईगंज स्थित एक निजी अस्पताल सुनीता हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों ने शव को वापस घर लाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बक्शा थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल के शवगृह भेज दिया। पुलिस की सूचना पर फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। मृतका वसु यादव (लगभग 20 वर्ष) इतेन्द्र यादव की पुत्री थी और चपरामऊ गांव की निवासी थी। वह कक्षा 12वीं की छात्रा थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है। घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

पूर्व मंडल अध्यक्ष के निधन पर भाजपाइयों ने व्यक्त की शोक संवेदना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ जन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष सुइथाकला और बहुत ही

वरिष्ठ कार्यकर्ता राम खेलावन वर्मा डबलू के निधन पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढाढ़स बंधाया और भाजपा कार्यालय पर शोक संवेदना प्रकट की।

शोक संवेदना व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि मुझे जानकार यह अत्यंत दुःख हुआ कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राम खेलावन वर्मा का निधन हो गया वे एक समर्पित स्वयंसेवक, प्रतिबद्ध कार्यकर्ता एवं उत्कृष्ट राजनेता थे बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। सौम्य व्यक्तित्त्व, कुशल सांगठनिक क्षमता, ओजस्वी वक्ता और जनता से जुड़ी समस्याओं को उठाने वाले एक जुझारू नेता के रूप में राम खेलावन वर्मा सदैव याद किये जायेंगें। उनके निधन से जिले ने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन के एक महत्त्वपूर्ण कार्यकर्ता एवं कुशल मार्गदर्शक को खो दिया है।

जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि इस दुखद समाचार ने न केवल पार्टी कार्यकताओं, बल्कि पूरे राजनीतिक क्षेत्र को गहरे शोक में डाल दिया है दिवंगत नेता का राजनीतिक जीवन प्रेरणादायक और समर्पित सेवा से भरा रहा है, और उनका जाना एक अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है उनका जीवन जनसेवा, ईमानदारी और संगठन के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है पार्टी ने एक मजबूत स्तंभ खो दिया है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्र ने कहा कि श्री वर्मा का निधन देश के लोकतंत्र और भारतीय जनता पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है, मेरे लिए उनका निधन एक व्यक्तिगत क्षति है दुःख की इस घड़ी में मैं स्वयं एवं पार्टी कार्यकताओं की ओर से उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ। साथ ही भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को धैर्य और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

उक्त अवसर पर ओमप्रकाश सिंह, आमोद सिंह, परविंदर चौहान, इंद्रसेन सिंह, घनश्याम यादव, लालबहादुर पाल, भूपेश सिंह, सुजीत सिंह, अंकुश यादव, विकास शर्मा, विकास पांडेय, शिवम् राय, मनोज सिंह, सुरेन्द्र मिश्र, अविनाश शुक्ल, प्रमोद प्रजापति, उपेन्द्र मिश्र, नरेंद्र विश्वकर्मा, भोले सिंह, सूरज सिंह, काशीनाथ सेठ, सुभम मौर्य, अभय गुप्ता, अफसर हुसैन आदि उपस्थित रहे।

खेतासराय पुलिस शान्ति भंग में गिरफ्तार कर किया चालान

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान व क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के क्रम मे व अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 01.01.2026 को एक नफर आरोपी, संजय कुमार पुत्र लक्ष्मीप्रसाद निवासी जैगहाँ बाजार थाना खेतासराय जौनपुर रास्ते के विवाद को लेकर शान्ति व्यवस्था भंग होने एवं संज्ञेय अपराध कारित होने के दृष्टिगत नियमानुसार गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में सम्बन्धित मा0 न्यायालय चालान किया गया।

शाहगंज एण्टी रोमियो पुलिस ने छींटाकशी कर रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक शाहगंज के नेतृत्व में थाना शाहगंज एन्टी रोमियो टीम द्वारा आज दिनांक 01.01.2026 को समय 11:45 बजे शिव मन्दिर भादी चुंगी के पास से आने जाने वाली लड़कियो व महिलाओं को देख कर छींटाकशी/अश्लील टिप्पणी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के आधार पर मु0अ0सं0-0001/2026 धारा-296 बी0एन0एस0 बनाम- वेद प्रकाश पुत्र सुरेश पासवान निवासी ग्राम कटार थाना फूलपुर जनपद आजमगढ़ के विरुद्ध पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन ने बच्चों के संग मस्ती की पाठशाला में मनाया नया साल

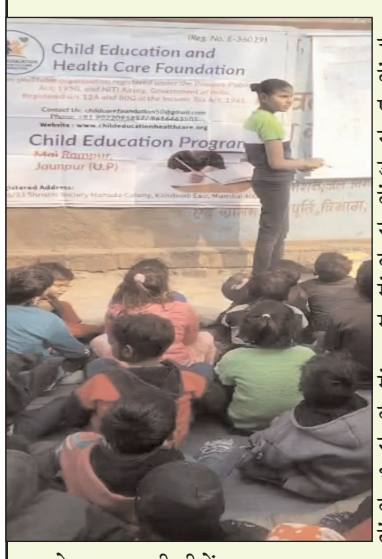

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन ने मस्ती की पाठशाला में बच्चों के संग नव वर्ष का स्वागत किया। उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले के रामपुर कस्बे में स्थित मई रामपुर गांव के लगभग 50 बच्चों ने मस्ती की पाठशाला में पढ़ाई के साथ नव वर्ष मनाया।

इस नए वर्ष में बच्चों ने मेहनत के साथ पढ़ाई करने का संकल्प किया। साथ ही साथ एनजीओ के शिक्षकों ने भी बच्चों से पांच संकल्प कराया। मोबाइल कम देखना, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना, बाहर की चीजें न खाकर घर का बना पौष्टिक भोजन करना, माता पिता और बड़ों का सम्मान करना, रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना। बच्चों ने इसका पालन बड़ी ईमानदारी से करने का वादा भी किया। इस अवसर पर बच्चों को मिष्ठान का वितरण किया गया। मिठाई मिलने की खुशी बच्चों के चेहरे पर साफ देखी जा सकती थी। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज राय ने बताया एनजीओ अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट स्वस्थ भारत, शिक्षित भारत मिशन का विस्तार शीघ्र ही अन्य गांवों में भी करने जा रहा है। मस्ती की पाठशाला के सफल आयोजन में रवींद्र कुमार, लाल जी, शिक्षिका साधना ने विशेष सहयोग किया।

जौनपुर के दो खिलाड़ियों ने दिल्ली में लहराया परचम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के युवाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 9वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में जौनपुर के होनहार खिलाड़ी विवेक सिंह और नारायण सेठ ने स्वर्ण पदक जीतकर जनपद समेत पूरे प्रदेश का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है।

बता दें कि उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आये सैकड़ों खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कड़े संघर्ष और रोमांचक मुकाबलों के बीच जौनपुर के जांबाजों ने अपना दबदबा बनाये रखा। बताया गया कि नगर के मोहल्ला ताड़तला निवासी रामाशंकर सेठ के पुत्र नारायण सेठ ने 64 किलो भार वर्ग में हरियाणा के कड़े प्रतिद्वंदी को तकनीकी कौशल और फूर्ती से मात देते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं नगर के काली कुत्ती (परमानतपुर) निवासी मनोज सिंह के पुत्र विवेक सिंह ने फाइनल में तमिलनाडु के खिलाड़ी के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करते हुये गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए कई गणमान्य हस्तियाँ मौजूद रहीं। तांडव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगबीर सिंह परमार, महिला शक्ति तांडव सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिया साध, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मान्या साध ने विजयी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। इवेंट ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष लवली रमेश धमीजा ने स्वयं विवेक और नारायण को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

अपनी इस बड़ी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए दोनों खिलाड़ियों ने बताया कि यह मुकाम उन्होंने अपने प्रशिक्षक सुरेंद्र प्रताप यादव की देख–रेख में किये गये कठिन अभ्यास की बदौलत हासिल किया है। इसके पहले भी ये खिलाड़ी विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रतियोगिता में राज्यों के बीच भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। प्रथम स्थानः तमिलनाडु (सर्वाधिक पदक)। द्वितीय स्थानः हरियाणा। तृतीय स्थानः दिल्ली।

जैसे ही दोनों खिलाड़ियों के स्वर्ण पदक जीतने की सूचना जौनपुर पहुंची, उनके गृह क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों और खेल प्रेमियों ने मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर इस जीत का जश्न मनाया। खेल जगत के जानकारों का मानना है कि इन युवाओं की सफलता से जिले के अन्य उभरते खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

वसई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण का कार्यकर्ता संवाद सम्पन्न

वसई रोड। वसई-विरार महानगरपालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में वसई पश्चिम स्थित वायएमसी हॉल, माणिकपुर में भव्य कार्यकर्ता संवाद एवं संगठनात्मक समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन वसई-विरार महानगरपालिका की मुख्य चुनाव अधिकारी श्रीमती पूनमताई महाजन के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने आगामी महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक तैयारी, बूथ स्तर की मजबूती, कार्यकताओं की भूमिका, मतदाताओं से सीधा संवाद तथा केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में वसई-विरार शहर के समग्र विकास के लिए भाजपा की स्पष्ट नीति, दिशा और विजन को कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा गया। इस दौरान पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, अग्री सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलास (काका) पाटिल सहित भाजपा के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकताओं की भारी मौजूदगी और जोशपूर्ण प्रतिक्रिया से भाजपा संगठन की मजबूती स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम के माध्यम से आगामी वसई-विरार नगर निगम चुनावों में भाजपा की जीत का संकल्प दोहराया गया। विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनता का विश्वास–इन्हीं मूल मंत्रों के साथ वसई-विरार में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

घाटकोपर के वार्ड 125 से कल्लू गुप्ता को मिल रहा जनसमर्थन

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर (पूर्व) स्थित रमाबाई नगर, वार्ड क्रमांक 125 से कल्लू गुप्ता को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। कल्लू गुप्ता ने सभी समाज, धर्म और जाति के लोगों को साथ लेकर क्षेत्र के विकास की बात कही है। उन्होंने अमीर-गरीब के भेदभाव से ऊपर उठकर कंधे से कंधा मिलाकर चलनेह्व वाले विकास के मॉडल पर जोर दिया।

जनसभा के दौरान कल्लू गुप्ता ने वार्ड 125 की जनता से अपील करते हुए कहा कि यह समय एकजुट होकर क्षेत्र की भलाई और विकास के लिए निर्णय लेने का है। उन्होंने हाथ जोड़कर जनता से अनुरोध किया कि वे उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। विशेष रूप से उत्तर भारतीय समाज को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने का यह सुनहरा अवसर है। उनके अनुसार, क्षेत्र के विकास और मजबूत प्रतिनिधित्व के लिए जनता को एक बार फिर सोच-समझकर मतदान करना चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास, समानता और सामाजिक एकता के मुद्दों को लेकर कल्लू गुप्ता की अपील से क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। अब देखना यह होगा कि आने वाले चुनाव में जनता किसे अपना समर्थन देती है।

पूर्वांचल की सबसे बुजुर्ग महिला मनकीराजी देवी का 110 वर्षकी उम्र में निधन

चंदौली। पूर्वांचल की सबसे बुजुर्ग महिला मनकीराजी देवी का उनके गांव महुअर कला (मिश्रगाड़ापर) में निधन हो गया। उम्र से इस पड़ाव पर भी वे अपने सारे काम खुद कर लेती थी। वे अत्यंत दयालु और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। यही कारण था कि पूरा गांव उनका सम्मान करता था। 15 जनवरी 1915 को पैदा हुई मनकीराजी देवी अपने पीछे चार बेटे राज नारायण सिंह, श्याम नारायण सिंह, प्रभु नारायण सिंह अजय कुमार सिंह, पौत्र पूर्व जिला पंचायत सदस्य संदीप कुमार सिंह फौजी , विजय कुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक के लहर दौड़ गई। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने कहा कि उनके पास बैठने से मां का स्नेह, दुलार और प्यार मिलता था। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक सुशील कुमार सिंह, विधायक रमेश जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छत्रबली सिंह, राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल लल्लन तिवारी, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह,वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, सोनू तिवारी समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रगट करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह की माता लालती देवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने उमड़ी भीड़

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व सांसद धनंजय सिंह की माता समाज सेविका लालती देवी की 23वीं पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव बंसफा में गुरुवार श्रद्धांजलि देने के लिए माननीयों सहित लोगो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे दिन विभिन्न पार्टियों के राजनैतिक दलों के माननीयों के साथ साथ, समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दिनभर लोगों का आना जाना लगा रहा। लोगो ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दिन में नौ बजे ही पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ साथ उनकी पत्नी श्रीकला सिंह, पिता राजदेव सिंह व स्वजन लालती देवी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। उसके बाद लोगो का आना जाना देर शाम लगा रहा। बिहार सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खा, सैयद राजा के विधायक सुशील सिंह, विधान परिषद सदस्य श्याम नारायण सिंह विनीत व बृजेश सिंह प्रिंसू, अजगरा विधायक त्रिभुवन राम, पूर्व विधान परिषद सदस्य विद्या सागर सोनकर, पूर्व मंत्री व चेयरमैन कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, हरेंद्र प्रसाद सिंह, रामगंज प्रतापगढ़ के चेयरमैन राकेश सिंह, चेयरमैन फिरोज खान, पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन, वरिष्ठ भाजपा नेता जगत नारायण दूबे, टीडी कालेज के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख सिकरारा संजय सिंह, प्रमुख बक्शा मनोज यादव, रामपुर प्रमुख अरविंद सिंह मखडु, प्रमुख मांडवी सिंह, पूर्व प्राचार्य डा. समर बहादुर सिंह, पूर्व प्रमुख अजय प्रकाश सिंह केडी, शंकर यादव, पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र प्रताप सिंह, संतोष तिवारी, प्रदीप सिंह गप्पू, शिक्षक नेता रमेश सिंह, राकेश सिंह, अमित सिंह, सुधाकर सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक विनोद कन्नौजिया, डा. अभय सिंह, रवींद्र सिंह ज्योति सहित भारी संख्या में जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, बीडीसी सदस्य सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। अतिथियों का आभार वयक्त करते हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि मां के बताए रास्ते पर चलकर जरूरत मंद लोगो की आजीवन सेवा करता रहूंगा। इससे पहले बुधवार की सुबह श्रीरामचरितमानस पाठ का आरंभ हुआ। समापन के पश्चात हवन पूजन के बाद आयोजित विशाल भंडारे में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन गायक राहुल पाठक की टीम द्वारा देर शाम तक भजन चलता रहा। पूर्व सांसद के बड़े भाई जितेंद्र सिंह दादा, अभ्युदय सिंह व ओम प्रकाश सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

चाइनीज मांझे का कहर जारी, अब पत्रकार हुआ शिकार

मड़ियाहूं के शमीम अहमद को चाइनीज मांझा ने लिया अपने चपेट में, बाल बाल बचे

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्ष 2025 बीतते. बीतते चाइनीज मांझे से एक जहां शिक्षक की मौत हो गयी थी, वहीं वर्ष 2026 के लगते ही एक पत्रकार शिकार हो गया। हालांकि ऊपर वाले की कृपा से पत्रकार केवल गम्भीर रूप से घायल हुआ है, अन्यथा कुछ और ही हो सकता था। फिलहाल इस खतरनाक मांझे से मौत के अलावा आये दिन हो रहे घायलों के बाबत शासन–प्रशासन द्वारा लगातार इस पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन घटना से लगत रहा है कि वह प्रयास निरर्थक किया जा रहा है। नव वर्ष पर पतंगबाजी के दौरान प्रतिबंधित चाइनीज मांझा एक बार फिर जानलेवा साबित होता नजर आया। शीतलगंज बाजार में बाइक से जा रहे स्थानीय नगर पत्रकार शमीम अहमद के गले में अचानक चाइनीज मांझा फंस गया। गनीमत रही कि उन्होंने सूझ–बूझ दिखाते हुए तुरंत बाइक रोक दी और गले में फंसे मांझे को निकालकर अपनी जान बचा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्रकार शमीम अहमद किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वे शीतलगंज बाजार पहुंचे, पतंगबाजी के दौरान उड़ रहा चाइनीज मांझा उनके गले में उलझ गया। घटना के बाद उन्हें पास स्थित शीतलगंज बाजार के जन आरोग्य केंद्र ले जाया गया जहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार समय रहते बाइक रोकने से गंभीर हादसा टल गया। गौरतलब है कि न्यायालय के आदेश के बाद भी चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है। प्रशासन द्वारा लगातार दुकानों पर छापेमारी कर चाइनीज मांझा बेचने और उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद नव वर्ष के मौके पर क्षेत्र में खुलेआम चाइनीज मांझे का उपयोग किया गया। सूत्रों के अनुसार शीतलगंज, पाली सहित अन्य स्थानों पर चोरी-छिपे चाइनीज मांझे की बिक्री की जा रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि यदि कहीं प्रतिबंधित मांझे की बिक्री या उपयोग की सूचना मिलती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

एक आरोपी को 34 रोल प्रतिबंधित चाईनीज मांझे के साथ गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक मड़ियाहूँ के नेतृत्व में थाना मडियाहूँ पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी सुरेन्द्र सैनी पुत्र अवधराज निवासी सुबाषपुर थाना मडियाहूँ जौनपुर को 34 रोल प्रतिवन्धित चाईनीज मांझे के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए भक्तों की लगी कतार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नए साल के अवसर पर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में बृहस्पतिवार की सुबह मंगला आरती के बाद आम भक्तों के लिए बाबा के द्वार खुल गए। लाखों की संख्या में कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। इस दौरान हर- हर महादेव के जयकारे से पूरा परिसर गूंज उठा। गंगाद्वार समेत सभी प्रवेश द्वार पर भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन की ओर से लागू प्रोटोकॉल के तहत विशेष दर्शन और स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध है। मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से भीड़ बढ़ी है। 20 लाख से अधिक लोग दर्शन कर चुके हैं। बृहस्पतिवार की सुबह से श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला जारी है। लाखों भक्तों ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किए। भक्तों को कोई असुविधा न हो इसके लिए बैरिकेडिंग की गई है।

ट्रेन से कटकर युवक की हुई मृत्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी सुल्तानपुर रेलवे प्रखंड स्थित श्री कृष्णा नगर यार्ड के पास एक युवक कि किसी ट्रेन से कट जाने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि खुटहन थाना क्षेत्र प्रसादपुर डीहिया गांव निवासी सर्वेश कुमार पांडेय उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र विकास चंद्र पांडेय बुधवार रात्रि बुलेट गाड़ी खड़ी कर श्री कृष्णा नगर रेलवे स्टेशन यार्ड के पास जा कर किसी ट्रेन से कटकर उसने जान दे दिया। मौत की खबर पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

दीवार गिरने से मजदूर दबकर हुई मृत्यु

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी राजनाथ दुबे के मकान में काम कर रहे मजदूर को ऊपर दीवार गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है इसी गांव निवासी जमील अहमद उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र जफर अली बुधवार राजनाथ दुबे के मकान में मजदूरी का काम कर रहा था। इसी दौरान उसके ऊपर दीवार गिर पड़ी जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया जब तक उसे लोग अस्पताल ले जाते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही घटना की खबर परिजनों को हुई कोहराम मच गया। इस संबंध में शाहगंज कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा इत्तेफाकिया घटना हो जाने के संबंध में तहरीर दी गई है पंचनामा भर पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

काशी में वॉलीबॉल का महाकुंभ : 4 से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप

वाराणसी। खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, संस्कृति और अनुशासन का उत्सव भी होता है, और यही दृश्य 4 से 11 जनवरी तक डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिगरा में देखने को मिलेगा। मौका है राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का, जहां देश भर के श्रेष्ठ खिलाड़ी अपने कौशल, गति और ताकत का प्रदर्शन करेंगे। मतलब साफ है राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के बहाने काशी एक बार फिर खेल, संस्कृति और अतिथि-सत्कार के अपने विशिष्ट स्वरूप के साथ राष्ट्रीय पटल पर चमकने को तैयार है. खास यह है कि 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यखेलो इंडियाह्ल विजन से प्रेरित है और पूर्वांचल क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन का वर्चुअल शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी सहभागिता प्रस्तावित है। प्रतियोगिता में देशभर से 73 टीमें भाग लेंगी, जिनमें पुरुष और महिला वर्ग के 1200 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, कुल प्रतिभागियों की संख्या 1500 के आसपास पहुंच सकती है, जिनमें लगभग 150 अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी शामिल हैं। खिलाड़ी संख्या के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी वॉलीबॉल चैंपियनशिप मानी जा रही है। चैंपियनशिप से पहले गुरुवार को उत्तर प्रदेश की महिला और पुरुष टीम का चयन परीक्षण संपन्न हुआ। चयन प्रक्रिया के दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं महापौर अशोक तिवारी की मौजूदगी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि चयन पूरी तरह ओवरऑल प्रदर्शन के आधार पर किया जा रहा है, ताकि प्रदेश की सबसे सशक्त और संतुलित टीम तैयार हो सके। चयन परीक्षण में 18 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और शुक्रवार को अंतिम टीम की घोषणा कर दी जाएगी।

वॉलीबॉल जैसे तेज-तर्रार खेल में गति और चपलता की भूमिका अहम होती है। आयोजकों के अनुसार, जहां दक्षिण भारत के खिलाड़ी गति में आगे माने जाते हैं, वहीं उत्तर भारत के खिलाड़ी ताकत और आक्रामक खेल के लिए पहचाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश के पास हर पोजीशन के लिए सक्षम और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का संतुलन मौजूद है, जो टीम को मजबूती देगा। चैंपियनशिप को दर्शकों और खिलाड़ियों, दोनों के लिए खास बनाने की तैयारी है। प्रतियोगिता में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रहेगा, ताकि खेल प्रेमी बिना किसी बाधा के राष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों का आनंद ले सकें। साथ ही, बाहर से आने वाली टीमों को चरणबद्ध तरीके से काशी दर्शन भी कराया जाएगा, जिससे वे खेल के साथ शहर की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू हो सकें। आयोजन सचिव सर्वेश पाण्डेय ने बताया कि खिलाड़ियों के आतिथ्य में काशी की पहचान भी झलकेगी। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को बनारसी नाश्ता परोसा जाएगा। देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ियों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए हर टीम के साथ स्थानीय प्रबंधक तैनात किए गए हैं। चैंपियनशिप का विस्तृत कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जाएगा।

वर्ष 1985 के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश को सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है और यह गौरव काशी को प्राप्त हुआ है। अत्याधुनिक इनडोर स्टेडियम अब इस राष्ट्रीय खेल महोत्सव का केंद्र बनेगा, जिसे वाराणसी की खेल पहचान के लिए एक टर्निंग प्वाइंट माना जा रहा है।

आगामी आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को महापौर अशोक तिवारी की अध्यक्षता में आयोजन समिति और प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में सुरक्षा, आवागमन, आवास, चिकित्सा सुविधा, दर्शक प्रबंधन, यातायात और प्रशासनिक समन्वय जैसे सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह आयोजन न केवल भव्य हो, बल्कि पूरी तरह सुरक्षित, अनुशासित और सुव्यवस्थित भी हो, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर काशी की छवि और मजबूत हो। इससे पूर्व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने स्टेडियम परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने खेल मैदान, दर्शक दीर्घा, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई और यातायात प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दिव्यांग बच्चों के संग स्नेह और उल्लास के साथ मनाया गया नव वर्ष उत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नव वर्ष 2026 की शुभ बेला पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा नगर क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय, मियांपुर में दिव्यांग बच्चों के साथ आत्मीयता, संवेदना और उत्साह से परिपूर्ण नववर्ष उत्सव मनाया गया। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए खुशियों भरा रहा, बल्कि सामाजिक सरोकार और समावेशी शिक्षा का प्रेरक संदेश भी देता नजर आया।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों को उपहार स्वरूप गर्म जैकेट, टिफिन, टॉफी तथा अध्ययन हेतु उपयोगी पठन किट वितरित की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पटेल एवं उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया, जिससे बच्चों को अपनापन और सम्मान का अनुभव हुआ। बच्चों के चेहरों पर झलकती मुस्कान इस आयोजन की सफलता का सजीव प्रमाण रही। इस अवसर पर डॉ. गोरखनाथ पटेल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आत्मविश्वास प्रदान करना बेसिक शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समाज में सकारात्मक सोच और संवेदनशीलता को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त जिला समन्वयक, कार्यालय सहायक विंध्यवासिनी उपाध्याय, मियांपुर के सभासद, विद्यालय के सभी शिक्षकगण, पूर्व एआरपी राजू, सभी एसआरजी तथा अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कोहरे की मार : रेल सेवाएं और उड़ानें प्रभावित, 16 उड़ानें रद्द, ट्रेनों की लेटलतीफी जारी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नए साल की शुरूआत घने कोहरे के साथ हुई, जिसका सीधा असर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर देखने को मिला। रेल परिवहन भी प्रभावित रहा। बुधवार देर रात से गुरुवार सुबह तक घने कोहरे के कारण उड़ान सेवाएं बाधित रहीं। इस दौरान कुल 16 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि दिल्ली की 8 उड़ानें निर्धारित समय से काफी देरी से संचालित हुईं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, कोहरे की वजह से दृश्यता बेहद कम हो गई थी, जिससे विमानों की सुरक्षित लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं हो सका। सुबह 4 बजे के बाद से हालात कुछ बेहतर हुए, तब जाकर उड़ानों का संचालन धीरे-धीरे शुरू किया गया। हालांकि, तब तक यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। रद्द की गई उड़ानों में वाराणसी-दिल्ली, वाराणसी-मुंबई, वाराणसी-बेंगलुरु, वाराणसी-अहमदाबाद, वाराणसी- कोलकाता सहित अन्य प्रमुख रूट शामिल रहे। वहीं दिल्ली से आने-जाने वाली 8 उड़ानें कई घंटे देरी से पहुंचीं। कुछ उड़ानें 2 से 4 घंटे तक विलंबित रहीं, जबकि कुछ को वैकल्पिक समय पर संचालित किया गया। उड़ानें रद्द और लेट होने से एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। बड़ी संख्या में यात्री टर्मिनल भवन में फंसे रहे। यात्रियों को न तो समय पर स्पष्ट जानकारी मिल सकी और न ही उचित व्यवस्थाएं। कई यात्रियों ने एयरलाइंस प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और खराब दृश्यता में उड़ानों का संचालन जोखिम भरा हो सकता है। जैसे ही मौसम में सुधार हुआ, उड़ानों को प्राथमिकता के आधार पर रवाना किया गया। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि कोहरे के मौसम में यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी अवश्य लें।

जिलाधिकारी ने दी जनपद वासियों को नव वर्ष की बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने समस्त जनपद वासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी है। जिलाधिकारी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि नव वर्ष सभी के जीवन मे ढ़ेर सारी खुशियाँ लाए तथा इसके साथ ही उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की कामना की है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील किया कि पूरे हर्षोल्लास के साथ नये वर्ष का स्वागत करें।